page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/20/2025 1:42 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 त्रिलोके कौल की कला विरासत पर जम्मू में विशेष सम्मेलन आयोजित

5 साइना और पीटर गेड करेंगे द लीजेंड्स विजन लेगेसी टूर इंडिया का नेतृत्व

8 लगभग हर क्षेत्र में की जाती है गेंदा की खेती

मौसम जम्मू न्यूनतम 11 अधिकतम 22

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-284 | जम्मू तवी, वीरवार 20 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर भारत : मोदी

पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी, हरियाणा के 15.82 लाख किसानों के खाते में 316.38 करोड़ रुपये जमा

नई दिल्ली, 19 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पिछले 11 वर्षों में कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है और कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। पीएम-किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी करने के बाद कोयंबटूर में एक सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती उनके दिल के बहुत करीब विषय है। इस योजना के तहत नौ करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई।

दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए तमिलनाडु के किसानों की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के सभी किसानों को इस अद्भुत दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। प्रधानमंत्री ने अपनी बातचीत के बारे में आगे कहा, मैं प्रदर्शनी देख रहा था। मुझे कई किसानों से बात करने का अवसर मिला। किसी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की है, पीएचडी की है और फिर खेती कर रहा है, कोई नासा छोड़कर खेती कर रहा है, वे कई युवाओं को तैयार और प्रशिक्षित कर रहे हैं। मैं सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता हूँ कि अगर मैं इस कार्यक्रम में नहीं आया होता, तो मैं अपने जीवन में बहुत कुछ खो देता। आज यहाँ आकर मैंने बहुत कुछ सीखा है।

मैं तमिलनाडु के किसानों के साहस को सलाम करता हूँ, बदलाव को स्वीकार करने की उनकी क्षमता को सलाम करता हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का कृषि परिदृश्य विकसित हो रहा है और युवा खेती को एक आधुनिक और व्यापक करियर के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है। हमारी जैव विविधता एक नया आकार ले रही है, देश के युवा कृषि को एक आधुनिक और व्यापक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इससे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को व्यापक बढ़ावा मिलेगा।

हाल के वर्षों में नीतिगत हस्तक्षेपों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में देश के संपूर्ण कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। हमारा कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। कृषि को आधुनिक बनाने के लिए, सरकार ने किसानों के समर्थन के सभी रास्ते खोल दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि उत्पादों की बढ़ती माँग के बीच मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने पर भी बात की और कहा, हाल के वर्षों में, कृषि उत्पादों की बढ़ती माँग के कारण इस क्षेत्र में विभिन्न रसायनों का उपयोग तेज़ी से बढ़ा है। परिणामस्वरूप, मिट्टी की उर्वरता कम हो रही है और खेती की लागत बढ़ रही है। इसका समाधान फसल विविधीकरण और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने में निहित है। मिट्टी की उर्वरता बहाल करने और फसलों के पोषण मूल्य को बढ़ाने के लिए, हमें प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा। यह दृष्टिकोण न केवल एक आवश्यकता है, बल्कि टिकाऊ कृषि के हमारे दृष्टिकोण का भी एक हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर में पिछले 30 सालों से चल रहा खून-खराबा अब रुकना चाहिए : सीएम उमर

कश्मीरियों के प्रति बढ़ते संदेह की निंदा

श्रीनगर, 19 नवंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले 30 से ज़्यादा सालों में काफ़ी खून-खराबा हो चुका है, जिसे अब रोकना होगा। संवाददाताओं से बात करते हुए, मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि केंद्र सरकार ने दावा किया था कि 2019 के बाद ऐसी स्थिति रुक जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ऐसा क्यों नहीं हुआ? सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार लोगों को जवाब देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, सुरक्षा पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा हालात के बारे में हम क्या कह सकते हैं? अगर यह दिल्ली में नहीं फूट रहा है, तो कश्मीर में फूट रहा है। मैं कल पाँच पीड़ितों के परिवारों से मिला था। आज, मैं दो और परिवारों से मिल रहा हूँ। हम चाहते हैं कि ऐसा खून-खराबा रुके। जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी, पिछले 30 से ज़्यादा सालों में काफ़ी खून-खराबा देख चुकी है। इससे पहले, एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली आतंकी विस्फोट के लिए कुछ लोग ज़िम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, लेकिन ऐसा माहौल बनाया जा रहा था मानो हम सब दोषी हों, मानो हम सब इसमें शामिल हों। मैं जो कह रहा हूँ, उसे कहना भी पसंद नहीं करता। लेकिन सच तो सच है। अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली में जम्मू-कश्मीर में पंजीकृत वाहन चलाना अपराध माना जाता है। उन्होंने कहा, मुझे यह भी सोचना पड़ता है कि मैं बिना सुरक्षा के अपनी गाड़ी निकालूँगा या नहीं। मुझे नहीं पता कि कौन मुझे रोकेगा और पूछेगा कि मैं कहाँ से हूँ और वहाँ क्या कर रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा कि परिवार अब अपने बच्चों को घाटी से बाहर भेजने से हिचकिचा रहे हैं क्योंकि जम्मू-कश्मीर के लोगों को शक की निगाह से देखा जा रहा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने मिशन युवा के सहयोग से कुलगाम ज़िला प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर व्यापार एवं व्यापार मेले का उद्घाटन किया। इस मेले का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और व्यवसायों तथा महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए व्यावसायिक नवाचार और विकास हेतु एक मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद, मुख्यमंत्री ने उद्यमियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिभागियों से बातचीत की और जिले में व्यावसायिक उद्यमों को बढ़ावा देने और आजीविका के अवसर पैदा करने में उनके योगदान की सराहना की।

जम्मू की उच्च सुरक्षा वाली जेल में छापेमारी जारी

जम्मू, 19 नवंबर । जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट ने बुधवार को उच्च सुरक्षा वाली कोट भलवाल जेल पर छापा मारा। अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी केंद्रीय जेल में चल रही है, जहाँ कुख्यात अपराधियों के अलावा कट्टर पाकिस्तानी और स्थानीय आतंकवादी बंद हैं। उन्होंने बताया कि ये छापेमारी जेल के अंदर से कथित तौर पर चलाए जा रहे आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के अभियान का हिस्सा है। कोट भलवाल जेल पर छापे डॉक्टरों के एक समूह द्वारा चलाए जा रहे सफेदपोश आतंकी नेटवर्क के हाल के खुलासे और 10 नवंबर को दिल्ली के लालकिला इलाके में कार में हुए विस्फोट की जांच के सिलसिले में मारे जा रहे हैं।

नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू, 19 नवंबर । भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया। सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर अग्रिम चौकियों पर तैनात सतर्क जवानों ने पाकिस्तान की ओर से संदिग्ध हलचल देखी। संदिग्ध घुसपैठियों के साथ लगातार गोलीबारी हुई, जिससे उन्हें पीछे हटना पड़ा। अधिकारियों ने कहा, ऊइलाके में तलाशी अभियान जारी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी आतंकवादी नियंत्रण रेखा पार करके भारतीय सीमा में न घुस पाए। अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठ की यह ताज़ा कोशिश पाकिस्तानी सेना की मदद से आतंकी संगठनों की इस इरादे को साबित करती है

हमारे रक्षकों के बलिदान ने आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर की नींव रखी : सिन्हा

जम्मू, 19 नवंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि एक ऊआत्मनिर्भर और आधुनिक जम्मू-कश्मीर के निर्माण का सपना सुरक्षा बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस, किसानों, युवाओं और महिलाओं के बलिदान पर टिका है। उपराज्यपाल ने पुरमंडल स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की और देविका महाआरती में भाग लिया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल सिन्हा ने लोगों से शहीदों द्वारा स्थापित शांति का सामूहिक रूप से सम्मान और रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले पाँच-छह वर्षों ने जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास का एक नया युग लाया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन चुनौतियों के बावजूद निरंतर प्रगति के लिए अथक प्रयास कर रहा है। ऐतिहासिक

> “लोगों से शहीदों के योगदान की रक्षा करने का आग्रह

सुधारों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि विभिन्न नए कानूनों ने जन अधिकारों को मजबूत किया है और नागरिकों को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि आज देश जम्मू-कश्मीर की उभरती ताकत और एक विकसित भारत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है और भारत की विविधता में एकता को सुदृढ़ करता है। पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी पर ज़ोर देते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से जम्मू-कश्मीर को दुनिया के सामने एक उवल उदाहरण बनाने के लिए प्रतिबद्धता और दृढ़ता के साथ काम करने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल सिन्हा ने घोषणा की कि पुरमंडल डिग्री कॉलेज अगले महीने उच्च शिक्षा विभाग को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2021 से पुरमंडल को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल में बदलने की पहल के साथ महत्वपूर्ण विकास हुआ है। पुरमंडल-उत्तरबहनी तीर्थ क्षेत्र को आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताते हुए, उन्होंने कहा कि गुप्त गंगा देविका के तट पर स्थित श्रद्धेय उमापति महादेव मंदिर इस क्षेत्र की आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक है।

पुरमंडल-उत्तरबहनी तीर्थ सेवा ट्रस्ट द्वारा उठाई गई मांगों का जवाब देते हुए, उन्होंने स्थानीय विरासत के संरक्षण के लिए समन्वित प्रयासों का आश्वासन दिया। उपराज्यपाल ने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पिछले एक साल में पाँच मंदिरों का निर्माण किया है और मंदिर और शिव खोड़ी के बीच हेलीकॉप्टर सेवाएँ जल्द ही शुरू की जाएँगी। उन्होंने सांबा प्रशासन को श्राइन बोर्ड द्वारा वित्तपोषित एक नए वेद विद्यालय के लिए भूमि चिह्नित करने का निर्देश दिया और गुरुकुलों और संस्कृत संस्थानों के लिए वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया।

पुलिस महानिरीक्षक ने पुंछ का दौरा किया, सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

जम्मू, 19 नवंबर। जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने बुधवार को सीमावर्ती पुंछ जिले का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट में 15 लोगों की मौत के बाद सीमावर्ती जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और निगरानी अभियान बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी ने पुंछ का दौरा किया और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्हें सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई। आईजीपी टूटी ने सुरक्षा और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और मजबूत निगरानी एवं समन्वय का आह्वान किया।

लद्दाख के उपराज्यपाल ने केंद्र के साथ बातचीत में असंतुलित प्रतिनिधित्व को लेकर स्थानीय असंतोष स्वीकार किया

लद्दाख, 19 नवंबर। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बुधवार को स्वीकार किया कि कुछ लोग केंद्र के साथ चल रही बातचीत में असंतुलित प्रतिनिधित्व को लेकर नाखुश हैं, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी मुद्दे बातचीत के ज़रिए सुलझा लिए जाएँगे। उन्होंने एक सफेदपोश आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने और देश में बड़े हमलों को रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की सराहना की और ऐसी साजिशों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का सुझाव दिया। पीटीआई वीडियोज़ से बात करते हुए, गुप्ता ने कहा कि लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने गृह मंत्रालय (एमएचए) की उप-समिति के साथ पिछली बैठक के बाद अपनी मांगों का 29 पृष्ठों का एक मसौदा प्रस्ताव तैयार किया है। उपराज्यपाल ने कहा, गृह मंत्रालय ने उन्हें अपनी मांगों का एक मसौदा प्रस्ताव तैयार करने को कहा था। स्वाभाविक है कि जब हम साथ बैठेंगे, तो इससे कई बातें सामने आएंगी। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि केंद्र के साथ बातचीत में प्रतिनिधित्व में असंतुलन से कुछ लोग नाराज़ हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपनी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को दे दी है, जो इस मामले को सीधे तौर पर देख रहा है, इसलिए उन्हें बैठकर इस पर चर्चा करने दीजिए। लद्दाख बौद्ध संघ (एलबीए) के पूर्व अध्यक्ष, तोंडुप त्सावांग चोस्पा ने हाल ही में इस क्षेत्र की प्रमुख मांगों, जैसे राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों पर केंद्र के साथ बातचीत करने वाले लद्दाखी प्रतिनिधियों की संरचना में असंतुलन पर चिंता व्यक्त की थी।

गुलाम नबी आज़ाद की पार्टी को लगा झटका, दो पूर्व मंत्री समेत कई नेता कांग्रेस में वापस लौटे

जम्मू, 19 नवंबर । दो पूर्व मंत्री जुगल किशोर शर्मा और अब्दुल मजीद वानी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ गुरुवार को कांग्रेस पार्टी में लौट आए जिससे गुलाम नबी आज़ाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी को झटका लगा है।

पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सुभाष गुप्ता और बृजमोहन शर्मा भी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में कांग्रेस में शामिल हो गए।

2022 में आज़ाद की नवगठित पार्टी में शामिल होने के लिए कांग्रेस छोड़ने वाले इन नेताओं का राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर प्रभारी सैयद नसीर हुसैन, जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और एआईसीसी महासचिव जी ए मीर ने पार्टी में स्वागत किया।

शर्मा और वानी दोनों ने पिछले विधानसभा चुनावों में क्रमशः वैष्णो देवी और डोडा विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। आज़ाद ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पार्टी उम्मीदवारों के लिए आक्रामक प्रचार नहीं किया था। शर्मा 2000 से 2005 तक मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व वाली पीडीपी-कांग्रेस सरकार में और 2005 से 2008 तक आज़ाद के नेतृत्व वाली कांग्रेस-पीडीपी सरकार में मंत्री रहे। वानी को भी आज़ाद के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनाया गया था। कांग्रेस में वापसी के साथ ही आज़ाद का समर्थन करने के लिए पार्टी छोड़ने वाले अधिकांश नेता पिछले दो वर्षों में वापस आ गए हैं। पिछले साल लोकसभा और विधानसभा चुनावों में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह प्रक्रिया तेज़ हो गई है। जुगल किशोर शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करती है और अपने नेताओं को अपनी बात कहने की आज़ादी देती है। उन्होंने कहा कि जब यह खबर फैली कि वे कांग्रेस में वापस शामिल हो रहे हैं तो कई लोग कई सुझाव लेकर आए। शर्मा ने कहा कि दूसरी पार्टी धर्म के नाम पर वोट मांग रही है जिसका हम समर्थन नहीं करते। धर्म एक निजी मामला है और हर किसी को अपने धर्म का पालन करने की आज़ादी होनी चाहिए जो कांग्रेस में है क्योंकि किसी पर कोई पाबंदी नहीं है।

श्रीनगर में कैट रिकॉर्ड से छेड़छाड़ मामले में छह आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर

श्रीनगर, 19 नवंबर। अपराध शाखा कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) से जुड़े एक बहुचर्चित रिकॉर्ड छेड़छाड़ मामले में श्रीनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आईपीसी की धारा 209, 409, 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत एफआईआर संख्या 87/2022 में आरोप पत्र दायर किया है।आरोप पत्र में टाकिया खान सोपोर निवासी पठान मजीद अहमद खान, अली बाग ह्यगाम सोपोर निवासी मुश्ताक अहमद राथर, तुज्जर शरीफ सोपोर निवासी मुदासिर यूसुफ वानी, यंबरज़ल वानी सोपोर निवासी गुलाम मोहम्मद रेशी, बोनपोरा नौपोरा सोपोर निवासी बशीर अहमद डार और वर्तमान में डीसी ऑफिस जम्मू के पास रहने वाले प्रयागराज, उत्तर प्रदेश निवासी अनूप मिश्रा के नाम शामिल हैं।

यह मामला मुख्य बागवानी अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त एक पत्र से उत्पन्न हुआ जिसमें टीए संख्या 4100/2021 में कैट के समक्ष प्रस्तुत दस्तावेजों में संदिग्ध छेड़छाड़ की सूचना दी गई थी। इसके बाद आर्थिक अपराध शाखा ने एक औपचारिक मामला दर्ज किया और जाँच शुरू की।

जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कैट श्रीनगर के समक्ष प्रस्तुत दस्तावेजों में न्यायाधिकरण की हिरासत में रहते हुए अवैध रूप से बदलाव किया गया था। जाँचकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि मुख्य आरोपी, पठान मजीद अहमद खान ने कैट कर्मचारी अनूप मिश्रा और अन्य लाभार्थी कर्मचारियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर बागवानी विभाग में उनके नियमितीकरण से संबंधित अभिलेखों में अनधिकृत प्रविष्टियाँ की थीं।

तलाशी के दौरान माजिद खान के आवास से विभिन्न विभागों और संस्थानों की कम से कम बारह आधिकारिक मुहरें बरामद हुईं जिनमें बागवानी निदेशक, बीडीओ, तहसीलदार, ज़ेडईओ, स्कूल प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापकों की मुहरें शामिल हैं। उनके मोबाइल फोन से प्राप्त कॉल डिटेल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप बातचीत सहित डिजिटल साक्ष्यों ने साजिश और कैट कर्मचारी अनूप मिश्रा की भूमिका की पुष्टि की। अब न्यायिक निर्णय के लिए आरोप पत्र अदालत में पेश किया गया है।

जम्मू-कश्मीर बाल अधिकार संरक्षण आयोग को क्रियाशील बनाने की तैयारी में

अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की संभावना

श्रीनगर, 19 नवंबर। जम्मू-कश्मीर बाल अधिकार संरक्षण आयोग को उसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के साथ क्रियाशील बनाने की तैयारी में है। अधिकारियों ने बताया कि समाज कल्याण मंत्री सकीना मसूद इट्टू की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने चयन प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने कहा, समिति ने इस महीने की शुरुआत में चुने गए उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए थे। चयन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। सरकार जल्द ही निकाय के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी करेगी।

चयन समिति में समाज कल्याण और विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभागों के प्रशासनिक सचिव भी शामिल थे। मंत्री की अध्यक्षता वाली समिति को आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए सिफारिशें प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया था। समिति के कार्यक्षेत्र के अनुसार, उसे प्रत्येक पद के लिए दो उम्मीदवारों की प्रतीक्षा सूची तैयार करने का भी निर्देश दिया गया था। इस वर्ष अगस्त में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि उसने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष पद के लिए 21 आवेदकों और सदस्यों के पदों के लिए 28 आवेदकों को सूचीबद्ध किया है।

आठवीं कक्षा तक शीतकालीन अवकाश दिसंबर के पहले सप्ताह से : मंत्री इटू

श्रीनगर, 19 नवंबर । मंत्री सकीना इटू ने बुधवार को कहा कि ठंडे तापमान के बीच मध्य कक्षा तक के छात्रों के लिए शीतकालीन अवकाश दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है।

पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि माता-पिता बार-बार शीतकालीन अवकाश के कार्यक्रम की घोषणा के लिए अनुरोध करते हैं। सर्दियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए कठिन हो जाता है।

इटू ने आगे कहा कि हमने पहले ही शीतकालीन अवकाश के संबंध में एक बैठक आयोजित की है और हमने अस्थायी रूप से निर्णय लिया है कि कक्षा 1 से लेकर मध्यम कक्षा तक की निचली कक्षाओं के लिए संभवतः दिसंबर के पहले सप्ताह से छुट्टियां मनाई जाएंगी। पाठ्यपुस्तक मुद्दे के बारे में मंत्री ने कहा कि हमने पहले ही इस मामले को काफी हद तक सुव्यवस्थित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं कि किताबों या वर्दी की कोई कमी न हो। मंत्री इटू ने यह भी कहा कि सरकारी मानदंडों का उल्लंघन करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए जेकेबीओएसई सचिव, अध्यक्ष, शिक्षा सचिव और अन्य संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन की विकास कार्ययोजना की समीक्षा की

लखनऊ, 19 नवम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाएं चरणबद्ध ढंग से लागू हों, कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ दिखे। मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने बारी-बारी से अपनी कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के लिए भी समेकित विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय के आधार पर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है। इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा-वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को अल्पकालिक, मध्यमकालिक और

हेल्थ का आईना पैर

अगर चेहरा मनुष्य के चरित्र का आईना है, तो आपके पैर स्वास्थ्य का आईना। अरे, यह हम नहीं, बल्कि मेडिकल साइंस कह रहा है। मेडिकल साइंस के अनुसार पैरों से व्यक्ति की सेहत की जानकारी ली जा सकती है।

पैरों से मिलने वाले संकेतों को पहचान कर समय रहते विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकता है, इसलिए अगर पैर स्वस्थ रहेंगे तो आप भी स्वस्थ रहेंगे। आइए जानते हैं पैरों के कुछ ऐसे लक्षण जो देते हैं संकेत–

पैरों का ठंडा पड़ना

पैरों का ठंडा पड़ना थॉयराइड के कारण हो सकता है। 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के पैर ठंडे होने का मतलब थॉयराइड ग्लैंड का कम एक्टिव होना है। महिलाओं का बॉडी टेम्प्रेचर पुरुषों की तुलना में कम होता है।

पैरों का फटना

ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं को पैर फटने या जलन की शिकायत रहती है। सही तरीके की एक्सरसाइज न करने या शरीर में पानी की कमी से पैर फटते हैं। अगर ऐसा बार–बार होता है तो शरीर में कैल्शियम, पोटेशियम या मैग्नेशियम की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए बैलेंस डाइट लेनी जरूरी है। जहां तक हो सके आप ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।

पदार्थों की कमी बताए नाखून

पैरों के नाखूनों से शरीर में मौजूद पदार्थों की कमी का पता लगाया जा सकता है। कोई भी समस्या अकसर शरीर में किसी कमी की निशानी होती है। नाखूनों का सफेद होना शरीर में कैल्शियम की कमी की निशानी है। पीलापन हीमोग्लोबिन की कमी का संकेत है। ऐसे में नाखून टूटने भी लगते हैं।

सुन्न पड़ना

अगर पैर सुन्न पड़ते हों या सुई चुभने जैसा कुछ अहसास हो तो यह पैरीफेरल नर्वस सिस्टम डैमेज होने का संकेत हो सकता है। डायबिटीज के कारण या ज्यादा नशा करने से ऐसा हो सकता है। थोड़ी–सी लापरवाही भी बड़ा रूप ले सकती है। इसलिए समय रहते ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं, ताकि आगे किसी भी परेशानी से बच सके।

याद रखें

- पैरों को स्वस्थ रखने के लिए प्रॉपर एक्सरसाइज करें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी या फ्रूट जूस लें।
- कैल्शियम की कमी होने पर कैल्शियम की गोलियां लें।
- पैरों को प्रॉपर ढंककर रखें।
- नंगे पैर कहीं भी न जाएं।
- पैरों की एड़ियां जैसे ही फटें, उन पर क्रेक क्रीम जरूर लगाएं।

आंख में कैमरा

अभी तक आपने फिल्मों में ऐसे हीरो देखे होंगे, लेकिन यह एक हकीकत है। गोलीकांड में अपनी एक आंख गंवा चुके ब्रिटिश फिल्म निर्माता रॉब स्पेंस ने आंख की जगह कैमरा फिट करा लिया है। इस कैमरे में वे सारी चीजें रिकॉर्ड होती हैं, जो वह देखते हैं।

स्काई न्यूज से बातचीत में रॉब ने कहा, यह उतना आसान नहीं, लेकिन इंजीनियरों को मेरी आंख के लिए कैमरा बनाने में काफी मजा आया होगा। रॉब की आंख में लगे कैमरे में ठीक उसी तरह की तकनीक का प्रयोग गया है, जिस तरह एक वायरलेस माइक्रोफोन ट्रांसमीटर होता है। यह यंत्र उनके दिमाग से नहीं जुड़ा है और सिर्फ रिकॉर्डिंग करता है। रॉब्स को ह्यूमन रिवोल्यूशन नामक वीडियो गेम बनाने वाली कंपनी ने एक वृत्तचित्र बनाने का जिम्मा सौंपा है। यह वृत्तचित्र वर्ष 2027 तक ऐसे मनुष्यों की कल्पना को चित्रित करेगा, जो आधे मानवीय गुणों से युक्त हैं और आधे मशीनी हैं। रॉब कहते हैं कि तकनीक तो विकसित है ही और भविष्य में इस क्षेत्र के लिए अनंत संभावनाएं हैं। लोग कहते हैं कि कोई स्वयं का हाथ काटकर उसे बदल नहीं सकता, लेकिन अगर तकनीक किसी को शानदार कृत्रिम हाथ देने में सफल रहती है तो लोग इसके बारे भी में सोचना शुरू कर देंगे।

कैंसर दूर भगाएगी फूलगोभी

फूलगोभी खाइए और कैंसर को दूर भगाइए। अरे भई यह हम नहीं, बल्कि ब्रिटिश वैज्ञानिकों का कहना है। उन्होंने पता लगाया है कि फूलगोभी की एक खास किस्म कैंसर और दूसरी जानलेवा बीमारियों को दूर भगाती है।

26 साल की कड़ी मेहनत के बाद इस नतीजे पर पहुंचे यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे कैंसर पर काबू पाया जा सकेगा। वहां एक खास प्रजाति की फूलगोभी की खेती की जाती है। इटली से लाई गई कुछ फूलगोभियों से इनकी ब्रीडिंग शुरू की गई है और इससे आखिरकार फूलगोभी की नई वैरायटी विकसित की गई, जो दिल की बीमारी से भी लड़ सकती है। फूलगोभी में ग्लूकोरैफैनिन की प्रचुर मात्रा होती है, जो कई दवाओं से ज्यादा कारगर है।

कम खाओ ज्यादा जिओ

यह यकीन करने वाली बात नहीं है, लेकिन सच है। एक अध्ययन से पता चला है कि जहां औसत भोजन करने से शरीर सुडौल और स्वस्थ रहता है, वहीं जो कम खाते हैं, उनकी उम्र ज्यादा खाने वालों की अपेक्षाकृत अधिक होती है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के अनुसार, जानवरों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जो जानवर सिर्फ जीने के लिए पर्याप्त आहार पर निर्भर रहते हैं, उनका जीवन चक्र काफी लंबा होता है। अध्ययन के लिए जानवरों को दो वर्गों में बांटा गया था। इसके बाद दिए गए अलग–अलग आहारों के आधार पर उनका अवलोकन किया गया। इस प्रक्रिया से वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन जानवरों को लो–कैलोरी फूड दिया गया, उनकी जीवन अवधि ओवर इटिंग करने वाले जानवरों से ज्यादा रही। इस अनुसंधान के आधार पर माना गया कि यदि जानवरों में इस तरह के गुण पाए जा सकते हैं, तो इंसानों पर भी डाइट का असर अवश्य होगा।

हाई हील पहनकर ड्रिंक खतरनाक

वैसे तो महिलाओं को विशेषकर युवतियों को हाई हील पहनने का बड़ा शौक होता है। यह जहां आपके फैशन में चार-चांद लगाते हैं, वहीं आपके लिए मुसीबत का द्वार भी खोल देते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो हाई हील पहनकर ड्रिंक करना बेहद खतरनाक हो सकता है।

आजकल मल्टीपल फ्रैक्चर के केस उन महिलाओं में ज्यादा देखे जा रहे हैं, जो हाई हील पहनकर ड्रिंक करती हैं। हाई हील से होने वाला यह फ्रैक्चर इतना खतरनाक होता है कि इलाज के बाद भी मरीज दौड़ने में असमर्थ होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक हाई हील के कारण आपका पूरा शरीर जमीन से 8 इंच की दूरी पर हवा में रहता है। इससे बैक बोंस पर जोर पड़ता है और वह टेढ़ी हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार ज्यादातर महिलाओं को फ्रेक्चर हील पहनकर गिरने से होता है। यह घटना उन महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है, जो शराब का सेवन कर हाई हील पहनकर चलती हैं और वह ज्यादातर 20 साल से कम उम्र की पेशेंट होती हैं। चोट लगने के बाद ठीक होने में उन्हें छह महीने का समय लग जाता है। शौक के तौर पर हाई हील पहना जा सकता है, लेकिन ड्रिंक करने के बाद इसे पहनने से बचें। क्योंकि ड्रिंक करने के बाद शारीरिक संतुलन बिगड़ जाता है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

त्रिलोके कौल की कला विरासत पर जम्मू में विशेष सम्मेलन आयोजित

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। जम्मू एवं कश्मीर रचनात्मक कला केंद्र (जेकेसीसीए) द्वारा संगीत एवं ललित कला संस्थान (आईएमएफए), जम्मू विश्वविद्यालय के सहयोग से वरिष्ठ कलाकार स्वर्गीय त्रिलोक कौल के जीवन एवं उनके महत्वपूर्ण योगदान पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। आईएमएफए परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव उमेश शर्मा, वरिष्ठ कलाकार गोकेल डेम्बी तथा जेकेसीसीए अध्यक्ष पंडित केवल के. शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में त्रिलोक कौल की पुत्री वीना कौल, कला इतिहासकार डॉ. ललित गुप्ता, जेकेसीसीए के वरिष्ठ सलाहकार जंग एस. वर्मन सहित कई गणमान्य लोग और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर त्रिलोक कौल के जीवन एवं रचनात्मक यात्रा पर आधारित एक ब्रोशर का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत जेकेसीसीए निदेशक ओ.पी. शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने संस्था द्वारा दृश्य, साहित्यिक और प्रदर्शन कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि केंद्र ने हाल ही में अपनी रजत जयंती मनाई है और लगभग हर महीने कला-संस्कृति आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कला इतिहासकार डॉ. ललित गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर में आधुनिक कला आंदोलन के उदय और विकास पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

नौवें पातशाह के 350वें शहीदी दिवस के संबंध में श्रीनगर से आरंभ हुए नगर कीर्तन का संगत और मुकामी जिला प्रशासन द्वारा स्थान-स्थान पर स्वागत

जम्मू/चंडीगढ़, 19 नवंबर। नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस उपलक्ष्य में जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर स्थित गुरुद्वारा पातशाही छेवीं से आरंभ हुए नगर कीर्तन ने पहले पड़ाव के तहत लगभग 250 किलोमीटर का सफर तय करने पर मार्ग में जगह-जगह संगत और मुकामी जिला प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया।

जिला कुलगाम के सिख आबादी वाले गांव पालपुरा की संगत सहित एस.एस.पी. ट्रैफिक कश्मीर प्रोविंस रवींदर पाल सिंह, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अनंतनाग संदीप सिंह बाली, एस.डी.एम. डूरू प्रवेज रहीम, तहसीलदार काज़ीगुंड सज्जाद अहमद ने नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया। संगतों द्वारा गुरु साहिब को सुंदर रुमाले भेंट किए गए और नगर कीर्तन में शामिल संगतों के लिए चाय और फलों का लंगर लगाया गया। इसके बाद जिला अनंतनाग के गांव काज़ीगुंड में भी संगत द्वारा लंगर की व्यवस्था की गई।

इसी प्रकार जिला प्रशासन रामबन की ओर से चंद्रपुर में नगर कीर्तन का स्वागत किया गया और संगत के लिए चाय और पकौड़ों का लंगर लगाया गया। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर अलियाज़ ख़ान, एस.एस.पी. ट्रैफिक आदिल हमीद, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर वरुणजीत चाड़क, ए.सी.एस. शौकत मट्टू, अतिरिक्त एस.पी. मुजीब-उर-रहमान और तहसीलदार दीप कुमार उपस्थित थे।

इसी दौरान जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी रामबन द्वारा भी नगर कीर्तन का स्वागत किया गया

जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा नगर कीर्तन के लिए बेहतर ट्रैफिक प्रबंधनों के साथ-साथ फायर ब्रिगेड टीमें, एंबुलेंस और मेडिकल स्टाफ आदि की पुख्ता व्यवस्थाएँ की गईं।

बता दें कि श्रीनगर से सजाया जा रहा नगर कीर्तन श्री आनंदपुर साहिब पहुंचने तक कुल 544 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। अगले पड़ाव के तहत नगर कीर्तन जम्मू से रवाना होकर 20 नवंबर को पठानकोट पहुँचेगा, जबकि 21 नवंबर को होशियारपुर में इसका ठहराव होगा।

डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा में रानी लक्ष्मी बाई की 197वीं जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई की 197वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा में एक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डीबीपीएस अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने की। समारोह में वक्ताओं ने रानी लक्ष्मी बाई के जीवन, उनकी वीरता और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश उनकी स्मृति में हर वर्ष 19 नवंबर को जयंती मनाता है।

डीबीपीएस अध्यक्ष एडवोकेट पी.सी. शर्मा, एनएमसी अध्यक्ष सुभाष शास्त्री और पूर्व उपायुक्त बी.एस. जम्वाल ने बताया कि 19 नवंबर 1828 को वाराणसी में जन्मी मणिकर्णिका बाद में राजा गंगाधर राव से विवाह के बाद झांसी की रानी लक्ष्मी बाई बनीं।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर प्रेरणादायी कार्यक्रम

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में युवा शक्ति को राष्ट्रभक्ति और वीरांगना परंपरा से जोड़ने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू इकाई ने रानी लक्ष्मीबाई जयंती की पूर्व संध्या पर एक स्मारक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस, पराक्रम और देशभक्ति को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई जिससे परिसर का माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया।

कार्यक्रम की शुरुआत रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद इकाई अध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने संबोधित करते हुए 1857 के प्रथम भारतीय स्वाधीनता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई की निर्णायक भूमिका और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई की गाथा आज भी युवा पीढ़ी को साहस, नेतृत्व और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण की प्रेरणा देती है।

वैष्णो देवी मेडिकल इंस्टीट्यूट में प्रवेश के लिए पहली सूची रद्द करने की मांग

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। हिंदुस्तान शिव सेना के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत कपूर ने मांग की है कि रियासी जिले में श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस के अधिकारी एमबीबीएस प्रवेश के लिए पहली सीट आवंटन सूची को रद्द कर दें। उन्होंने तीर्थ-वित्त पोषित संस्थान में हिंदुओं के लिए पर्याप्त आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए एक नई प्रवेश प्रक्रिया और मौजूदा नियमों की समीक्षा की भी मांग की।

उन्होंने यह भी मांग की कि संस्थान में केवल हिंदू छात्रों को ही प्रवेश दिया जाए। हिंदुस्तान शिव सेना के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत कपूर और प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर प्रभारी रमेश गुप्ता ने जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए ये मांगें उठाईं।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस के लिए 50 एमबीबीएस सीटों को मंजूरी दी गई थी और 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए पहले बैच में एक विशेष समुदाय के 42 छात्रों के प्रवेश ने विवाद को जन्म दिया है।उन्होंने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाया है और नव स्थापित संस्थान को अल्पसंख्यक दर्जा देने की मांग की है। हालाँकि, अधिकारियों ने कहा कि प्रवेश योग्यता के आधार पर थे क्योंकि संस्थान को अल्पसंख्यक दर्जा नहीं दिया गया है और इसलिए धर्म के आधार पर कोई आरक्षण मानदंड लागू नहीं किया जा सकता है।

योगी सरकार के प्रयास से साल दर साल समृद्ध हो रहे यूपी के अन्नदाता किसान

लखनऊ, 19 नवंबर: योगी सरकार के प्रयास से उत्तर प्रदेश में अन्नदाता किसान साल दर साल समृद्ध हो रहे हैं। आंकड़े बता रहे कि योगी सरकार उत्तर प्रदेश के किसानों की समृद्धि में सहायक बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक तरफ जहां क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से तेजी से धान खरीद हो रही है, वहीं योगी सरकार की नियमित मॉनीटरिंग से किसानों को समय से भुगतान भी किया जा रहा है। विपणन सत्र 2025-26 के तहत बुधवार तक 70 हजार से अधिक किसानों से 4.12 लाख मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद की गई। इस एवज में धान किसानों को अब तक 852.24

करोड़ रुपये भुगतान भी कर दिया गया। यही नहीं, बाजरा के किसानों को भी बुधवार तक 168.39 करोड़ का भुगतान उनके खाते में किया गया। 2025-26 में धान के किसानों को किया गया 852.24 करोड़ का भुगतान किसानों के हित में योगी सरकार साल दर साल अपने प्रयासों में वृद्धि कर रही है। योगी सरकार के निर्देश पर किसानों को 48 घंटे में भुगतान की व्यवस्था की जा रही है। धान किसानों को किए गए भुगतान का आंकड़ा देखें, तो सत्र 2024-25 (19 नवंबर) तक 848.19 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। वहीं 19 नवंबर 2025-26 में यह आंकड़ा 852.24 करोड़ रुपये पहुंच गया। खाद्य व रसद विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष अब तक 70 हजार से अधिक किसानों से 4.12 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद की जा चुकी है। इस वर्ष सरकारी क्रय केंद्रों पर धान बिक्री के लिए अब तक 4,40,318 किसानों ने पंजीकरण भी करा लिया है। धान खरीद के लिए 4171 क्रय केंद्र भी स्थापित कर लिए गए हैं।

जीजीएम साइंस कॉलेज ने इंटर-कॉलेजिएट क्रिकेट टूर्नामेंट पर किया कब्ज़ा

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। जम्मू के जीजीएम साइंस कॉलेज ने पर आयोजित इंटर-कॉलेजिएट क्रिकेट (पुरुष) टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है।

फाइनल मुकाबले में कॉलेज ने गवर्नमेंट एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स को 11 रनों से हराते हुए शानदार जीत दर्ज की। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. (प्रो.) रोमेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट का संचालन डॉ. देविंदर कुमार शर्मा (प्रभारी शारीरिक निदेशक) की देखरेख में किया गया। प्रिंसिपल ने विजेता टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और लगातार

प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने जेकेसीए स्टाफ और कॉलेज के खेल विभाग को भी मैदान की उत्कृष्ट तैयारी और अभ्यास सुविधाओं के लिए धन्यवाद दिया, जिसके चलते लंबे अंतराल के बाद कॉलेज में फिर से क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित हो सका।

फाइनल में जीजीएम साइंस कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 19.4 ओवर में 123 रन बनाए। टीम की ओर से मोहम्मद शहरयार ने 28 अहम रन जोड़े। जवाब में एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स की टीम 18.1 ओवर में 112 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में रीतम चाढ़क ने 4 विकेट लेकर मैच में निर्णायक भूमिका निभाई, जबकि सुजल शर्मा ने 3 और गौरव सिंह ने 2 विकेट हासिल किए।

जिला प्रशासन जम्मू ने अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.) नियाबत सिधरा और पुलिस चौकी, सिधरा के लिए निर्धारित भूमि को पुन: प्राप्त किया गया है। जिला प्रशासन जम्मू ने उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास के निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए आज जम्मू के सिधरा में खसरा नंबर 95 वाली राज्य भूमि पर किए गए अवैध निर्माणों को निशाना बनाते हुए एक बड़ा विध्वंस अभियान चलाया। तहसीलदार जम्मू परमदीप सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने नायब तहसीलदार सिधरा/बजाल्टा जगदीश सिंह के अलावा राजस्व अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के साथ अभियान चलाया और अतिक्रमित राज्य भूमि पर बनी अनधिकृत दुकानों और संरचनाओं को हटा दिया। मौके पर ही सभी अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई के माध्यम से विभाग ने लगभग 3.5 कनाल मूल्यवान भूमि को सफलतापूर्वक पुन: प्राप्त कर लिया है। पुन: प्राप्त भूमि को तुरंत आधिकारिक कब्जे में ले लिया गया है और इसे नियाबत और पटवारी कार्यालय और पुलिस चौकी सिधरा की स्थापना के लिए निर्धारित किया गया है।

प्रतिनिधिमंडल ने डीसी से मिलकर समुदाय से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। शिया फेडरेशन प्रांत जम्मू के अध्यक्ष नजीर हुसैन शाह की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पुंछ के उपायुक्त से मुलाकात कर समुदाय से जुड़े मुद्दों और विकास प्राथमिकताओं पर विस्तृत बातचीत की। अध्यक्ष ने उपायुक्त को फेडरेशन के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और व्यापक विजन के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि संगठन सेवा, एकता और लोकतांत्रिक भागीदारी के सिद्धांतों पर आधारित है तथा इसकी नेतृत्व टीम पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया से चुनी जाती है। शाह ने कहा कि फेडरेशन में अनुभवी, शिक्षित और समाजसेवी सदस्य शामिल हैं जो पूरे क्षेत्र में शिया समुदाय के कल्याण के लिए लगातार कार्यरत हैं। बैठक में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने शिक्षा, सामाजिक कल्याण, धार्मिक एवं सामुदायिक संस्थानों के विकास, युवाओं की भागीदारी और सिविल सोसायटी तथा प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जैसी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

वार्षिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव युव तरंग का आयोजन

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव युव तरंग 2025 का तीसरा दिन कलात्मक ऊर्जा, संगीत प्रतिभा और रचनात्मकता के शानदार संगम के साथ संपन्न हुआ। पूरे दिन परिसर में दृश्य कला और संगीत की विविध प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों का मन मोहा। दृश्य कला की तीन प्रमुख प्रतियोगिताएँ, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग और कार्टूनिंग, जीसीओई डॉ. मोनिका शर्मा और डॉ. मोहम्मद ज़ुबैर की देखरेख में आयोजित की गईं, जिनका मूल्यांकन अंकुश केसर, महुआ गुप्ता और डॉ. अमरजीत सिंह ने किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में जीसीओई की हरसिमरन कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जीसीडब्ल्यू गांधी नगर की कौशिका भट्याल और सिमरन चौधरी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। पोस्टर मेकिंग में भी हरसिमरन कौर ने अपनी रचनात्मकता से पहला स्थान अपने नाम किया। माधव सोंत्रा दूसरे और मोहम्मद ज़ैगम सलारिया तीसरे स्थान पर रहे। तानिया मन्हास को सांत्वना पुरस्कार मिला।

कार्टूनिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता से दर्शकों को प्रभावित किया। जीसीडब्ल्यू गांधी नगर की परसे शर्मा ने पहला, जीजीएम साइंस कॉलेज के मोहम्मद ज़ैगम ने दूसरा और रुचिरा वर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि सोनाक्षी शर्मा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। संगीत खंड में आईक्यूएसी निदेशक डॉ. मीनाक्षी बंद्राल के मार्गदर्शन में लोक ऑर्केस्ट्रा और लाइट वोकल सोलो प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। निर्णायक प्रो. अनुपमा शर्मा, धर्मेश नरगोत्रा और जगदीप सिंह रहे। लाइट वोकल सोलो में मुकेश कुमार ने प्रथम, रिधिमा बाजपेयी ने द्वितीय और गुंजन चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि धीरज कुमार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

क्षतिग्रस्त सड़कों और जलापूर्ति शिकायतों पर बिश्नाह में आपात बैठक

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव कुमार भगत ने पटियारी स्थित कार्यालय में एक आपात बैठक आयोजित कर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों और जलापूर्ति बाधित होने से जुड़ी बढ़ती सार्वजनिक शिकायतों की गंभीरता पर चर्चा की। बैठक में जल शक्ति विभाग के पीएचई एवं यांत्रिक प्रभाग तथा लोक निर्माण विभाग (आर-एंड-बी) के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में पानी की पाइपलाइन बिछाने और मरम्मत के बाद सड़कों की उचित बहाली न होने पर विशेष चिंता व्यक्त की गई। विधायक ने जल शक्ति और पीडब्ल्यूडी के बीच समन्वय की कमी को समस्याओं की मुख्य वजह बताया और कई स्थानों पर पाइपलाइन कार्य व लगातार रिसाव के कारण सड़कें खराब होने पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने हालिया बाढ़ के बाद किए गए आपातकालीन मरम्मत कार्यों की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों और यांत्रिक समस्याओं के कारण ठप पड़ी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत करने को कहा गया। स्थानीय स्तर पर गंभीर पेयजल समस्याओं, जैसे वार्ड 6 में जलापूर्ति बाधित होने और हरसा दब्बर अमीन नगर में कनेक्शन होने के बावजूद पानी न मिलने पर अधिकारियों से कारण और त्वरित समाधान मांगे गए। विधायक ने सीआरएफ और नाबार्ड फंडिंग से चल रही सड़क और पुल परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की तथा जल जीवन मिशन से संबंधित सभी समितियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक सेवाओं को समयबद्ध ढंग से बहाल करने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई।

डिवाइन लाइट सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल में एक प्रेरक वंदे मातरम कार्यक्रम का आयोजन किया

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर ने डिवाइन लाइट सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित की देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव के जीवंत प्रदर्शन में, जम्मू-कश्मीर भाजपा महिला मोर्चा ने डिवाइन लाइट सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल, मशीन डोमाना (डोमाना से पहले, पेट्रोल पंप के पास) में एक प्रेरक वंदे मातरम कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर यूटी अध्यक्ष एडवोकेट ने किया। नेहा महाजन जिनकी प्रेरक उपस्थिति ने छात्रों और प्रतिभागियों को उत्साहित किया। स्कूल के छात्रों विशेषकर युवा लड़कियों ने मातृभूमि को समर्पित देशभक्ति गतिविधियों में भाग लेते हुए बहुत उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण भाजपा महिला मोर्चा, जम्मू-कश्मीर की राज्य टीम के सदस्यों और क्षेत्र की भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष की सक्रिय भागीदारी थी।

इस अवसर पर बोलते हुए सलाहकार। नेहा महाजन ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की पहल युवा मन में राष्ट्र भक्ति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने आगे बताया कि भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में वंदे मातरम कार्यक्रम आयोजित कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्रीय एकता और महिला नेतृत्व वाले सशक्तिकरण का संदेश केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ये कार्यक्रम देशभक्ति के मूल्यों को विकसित करने और जिम्मेदार भावी नागरिकों के पोषण के लिए भाजपा महिला मोर्चा की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

बीबीआईए में पीएमवीबीआरवाई 2025 पर ईपीएफओ जम्मू का औद्योगिक आउटरीच सेमिनार

जम्मू, 19 नवंबर (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जम्मू ने बाडी ब्राह्मणा औद्योगिक संघ (बीबीआईए) परिसर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना 2025 पर एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया। कार्यक्रम में श्रम और रोजगार मंत्रालय, ईपीएफओ और जम्मू संभाग के विभिन्न औद्योगिक निकायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार की अध्यक्षता श्रम और रोजगार मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक बी.के. अग्रवाल ने की। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों से औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस योजना का सक्रिय रूप से लाभ उठाने की अपील की। अग्रवाल ने उद्योगों को केवल वैधानिक अनुपालन तक सीमित न रहकर कर्मचारियों के कौशल और प्रशिक्षण में निवेश करने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में ईएसआईसी और कर्मचारी नामांकन अभियान 2025 के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि इन योजनाओं का उपयोग करने से नियोक्ताओं और कर्मचारियों, दोनों को लाभ मिलेगा। जम्मू संभाग में पहले ही 250 से अधिक प्रतिष्ठान और 4,000 कर्मचारी योजना में शामिल हो चुके हैं। बीबीआईए अध्यक्ष ललित महाजन ने क्षेत्र की औद्योगिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए ईपीएफओ जम्मू की त्वरित सेवा और दावा निपटान प्रक्रिया की सराहना की। उन्होंने बताया कि नवंबर के अंतिम सप्ताह में बीबीआईए परिसर में इस योजना के लिए पंजीकरण शिविर आयोजित किया जाएगा

जसरोटिया ने डिंगा अंब ब्लॉक में 1.36 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

कठुआ, 19 नवंबर (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने बुधवार को डिंगा अंब ब्लॉक में 1.36 करोड की लागत से कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यों का उद्घाटन किया।उद्घाटन की गई परियोजनाओं में गलामन से कौली कूपर रोड तक लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजना (?30 लाख), जिला पूंजीगत व्यय के अंतर्गत दसानू से चोई सौंथा तक सुरक्षा दीवार और क्रेटेड दीवार (?30 लाख), पंचायत-स्तरीय बुनियादी ढाँचा, पंचायत घर, डिंगा अंब बी (?30 लाख), और पंचायत डिंगा अंब ए

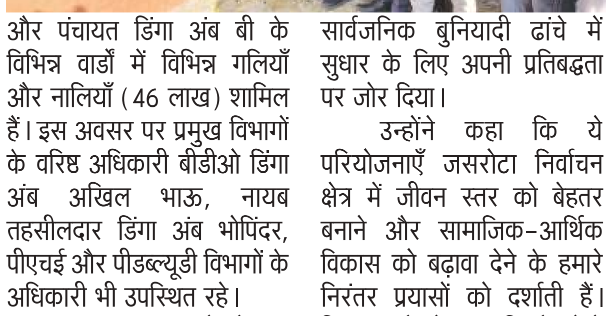

और पंचायत डिंगा अंब बी के विभिन्न वार्डों में विभिन्न गलियाँ और नालियाँ (46 लाख) शामिल हैं। इस अवसर पर प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बीडीओ डिंगा अंब अखिल भाऊ, नायब तहसीलदार डिंगा अंब भोपिंदर, पीएचई और पीडब्ल्यूडी विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए विधायक राजीव जसरोटिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम छोर तक विकास सुनिश्चित करने और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र में जीवन स्तर को बेहतर बनाने और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाती हैं। विधायक ने दोहराया कि वे लोगों के दरवाजे तक विकास पहुंचाने के लिए समर्पित हैं और ये पहल उस प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

संपादकीय

गैर-जिम्मेदाराना रवैया

विभिन्न सरकारी विभागों की कार्य स्थिति का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बड़ी संख्या में कर्मचारी गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपना रहे हैं, खासकर अनुपस्थिति के मामले में, जो दुर्भाग्य से इन दिनों जम्मू-कश्मीर में प्रचलन में है।

इस संबंध में रिपोर्टें चौंकाने वाली हैं क्योंकि उखराल के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) खारी में तैनात तीन डॉक्टरों का वेतन रोक दिया है और कथित तौर पर अनधिकृत रूप से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर उनसे दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि राजौरी जिले से इसी तरह की एक और रिपोर्ट सामने आई है, जो शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की समस्या की गंभीरता को उजागर करती है, जो बड़े पैमाने पर अनुपस्थिति का नाटक करना पसंद करते हैं। कथित तौर पर स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों विभागों के 919 कर्मचारी डिजिटल उपस्थिति प्लेटफॉर्म पर अनुपस्थित पाए गए, जिसके बाद प्रशासन ने अधिकारियों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किए।

इन दोनों मामलों में, जो बात सामने आई है, वह यह है कि सरकारी कर्मचारी उपस्थिति नियमों की बिल्कुल परवाह नहीं करते और इन कर्मचारियों की समय की पाबंदी और अनुशासन की जाँच के लिए स्थापित ढाँचे की ज़रा भी परवाह नहीं करते। इन मामलों में दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारी विभाग को उचित सूचना दिए बिना ड्यूटी से अनुपस्थित रहते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े इन महत्वपूर्ण विभागों की कार्यप्रणाली का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

सरकार को अनुपस्थिति रोकने के अपने तंत्र पर पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि एक ऐसी व्यवस्था बनाने की ज़रूरत है जो सामान्य कार्यवाही में ही लापरवाह कर्मचारियों की पहचान कर सके, न कि किसी औचक निरीक्षण या अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ विशेष अभियान का इंतज़ार करे। यह समस्या गंभीर है और जम्मू-कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों में आम है, जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग सबसे आगे हैं।

यह कहा जा सकता है कि बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली या चेहरा पहचान प्रणाली लगाने का तब तक कोई फ़ायदा नहीं है जब तक कि इन तकनीक-संचालित उपकरणों की नियमित निगरानी के लिए कोई तंत्र न हो, क्योंकि कर्मचारियों को अनुपस्थित रहने से रोकने के लिए यह ज़रूरी है।

प्रशासनिक प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्तर पर पर्यवेक्षण अधिक जवाबदेह और पारदर्शी हो। आदतन अपराधियों के खिलाफ निलंबन या बर्खास्तगी सहित कड़ी कार्रवाई को दूसरों के लिए निवारक बनाया जाना चाहिए।

इसके अलावा, सरकार को समय-समय पर समीक्षा, औचक निरीक्षण और एक पारदर्शी पुरस्कार-दंड नीति के माध्यम से अपने कर्मचारियों में अनुशासन, कर्तव्य और सार्वजनिक जवाबदेही की भावना पैदा करनी चाहिए। आखिरकार, किसी भी सरकार की विश्वसनीयता उसके कर्मचारियों की दक्षता से आंकी जाती है, और इस तरह के अनुपस्थित व्यवहार के प्रति कोई भी नरमी व्यवस्था में जनता के विश्वास को कम ही करेगी।

विश्व बाल दिवस- मासूमियत की रक्षा का वैश्विक संकल्प

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आईए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है।

– योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है।

यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वीके कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली साल 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आईए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है।

जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलिस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखिरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है।

बहरहाल, विश्व बाल दिवस हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनबाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके। बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राजनीतिक कुलों में संग्राम

प्रमोद भार्गव

बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल की करारी हार के बाद दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार में वर्चस्व का संग्राम छिड़ गया है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज खान को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया है। परिवार के सदस्यों में मानसिक विकृति किस हद तक होती है, इसका उदाहरण देते हुए रोहिणी ने कहा है कि 'मुझे गालियां देते हुए कहा गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी। इसके बदले में मैंने करोड़ों रुपए और चुनावी टिकट लिए। मुझे अब अपनी उदारता पर पछतावा हो रहा है। मेरा देश की सभी बेटियों से अनुरोध है कि जब आपके मायके में कोई बेटा या भाई हो तो भूल कर भी अपने पिता को नहीं बचाएं।'

लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव भी रोहिणी के समर्थन में खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया है कि 'यदि बहन रोहिणी का माता-पिता ने किसी भी तरह का मानसिक उत्पीड़न दिया है तो उसकी जांच होनी चाहिए।' तेजप्रताप ने यहां तक कह दिया कि जयचंदों को जमीन पर दफन कर देंगे। राज और राजनीतिक वंशों में देखने में आया है कि जब तक वे प्रगति कर रहे होते हैं, तब तक उनमें एकता बनी रहती है, लेकिन पतन के समय ये कुनबे बिर जाते हैं। कुदरत का यह ऐसा जाल है कि वह वंशों के डीएनए में ही अलगाव के बीच बो देता है।

भारतीय लोकतंत्र की जमीन पर जड़ें जमाते राजनीति के वंश-वृक्ष देश की संवैधानिक संप्रभुता की जड़ां में मट्ठा घोलने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस समेत हरेक क्षेत्रीय राजनीतिक दल में राजनीतिक उत्तराधिकार और वंशवाद को राजनीति के फलक पर स्थापित करने की होड़ लगी है। भाजपा में भी वंशवाद का रोग पनपा हुआ है। वामदलों को जरूर हम अपवाद के रूप में देख सकते हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जरूर परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे दलों की मानसिकता पर कुठाराघात करते हुए उन्हें लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना का विरोधी बताते हुए हमेशा हमलावर रहे हैं। उन्होंने इस प्रवृत्ति को सामंतशाही की संरक्षक और लोकतांत्रिक मूल्यों और मान्यताओं के लिए घातक बताया है।

इसमें दो राय नहीं कि विकृत वंशवादी मनोवृत्ति के चलते बहुदलीय शासन प्रणाली, एकतंत्रीय व्यक्तिवाद की गिरफ्त में आती जा रही है। इस नाते देश के प्रमुख राष्ट्रीय दल संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को एकध्रुवीय बनाने की कोशिश में लगे रहे हैं। कांग्रेस ने तो समूची राजनीति को राहुल गांधी और क्षेत्रीय दलों ने परिवार के मुखियाओं पर केंद्रित कर दी है। जबकि संवैधानिक व्यवस्था बहुदलीय है। लोकतंत्र को राजतंत्र में बदलने का यह खेल न तो देश की बुनियादी समस्याएं भूख, अन्याय और असमानता से लड़ने में कामयाब हो सकती हैं और न ही सीमाई संप्रभुता व आंतरिक समस्याओं से निपटने में दो-चार हो सकती हैं। दरअसल, आसानी से मिला राजनैतिक उत्तराधिकार का वैभव व्यक्ति की मानसिकता को सुविधा-भोगी और व्यक्तिवादी महत्वाकांक्षा को बढ़ाने का काम करता हैं। वह राजसी भोग-विलास में भी लग जाता है। प्रजातंत्र में यह स्थिति अपरोक्ष रूप से सामंती मूल्यों को स्थापित करने वाली है।

स्वतंत्रता के बाद अस्तित्व में आए संविधान में समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आदर्शों के साथ देश को एक मजबूत राष्ट्र में गढ़ने की परिकल्पना की गई थी। किंतु जब साल 1952 में स्वतंत्र भारत का पहला आम चुनाव हुआ तो संविधान में दर्ज आदर्श को पलीता लगाने का काम कांग्रेस समेत अनेक राजनीतिक दलों ने धर्म और जाति के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और वोट मांग कर किया। अब आजादी के 78 साल बाद भी धर्म और जाति तो अपनी जगह कायम हैं ही, खरपतवार की तरह वंशवादी ऐसे बरगदी वृक्ष भी उग आए हैं, जो प्रजातांत्रिक मूल्यों और भावनाओं को ठेंगा दिखाने का काम कर रहे हैं। बुंदेलखंण्ड में एक कहावत प्रचलित है कि चंबल नदी की गहराई एक दर्जन खाटों की बान से भी नहीं नापी जा सकती। लेकिन प्रजातंत्र की मिट्टी में वंशवाद की जड़ें जितनी गहरी होती जा रही हैं, उन्हें तो दो दर्जन खाटों के बान से भी नापा जाना मुश्किल है।

कालांतर में कई राजनेताओं के परिवार वंशवाद की डगर पर चले। इसमें वे लोहियावादी भी शामिल हैं, जो कई दशकों तक वंशवाद को कोसते हुए इन्हें लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा बताते रहे। लेकिन क्षेत्रीय दलों के प्रमुख बनने और सत्ता की बागडोर हाथ में आते ही उन्होंने देश के सामने कोई आदर्श उदाहरण पेश करने के बजाय स्वयं वंशवाद के बरगद बने। लालू प्रसाद, मुलायम सिंह और रामविलास पासवान इसके प्रमुख उदाहरण हैं। लालू को जब चारा घोटाले के मामले में बिहार का मुख्यमंत्री रहते हुए जेल जाने की नौबत आई, तो उन्हें अपना राष्ट्रीय जनता दल में ऐसा एक भी होनहार नेता नहीं दिखाई दिया जो मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने की काबिलियत रखता हो। आखिरकार यह योग्यता उन्हें अपनी निरक्षर धर्मपत्नी राबड़ी देवी में ही दिखाई दी। अंततः लालू ने प्रजातांत्रिक राज्य सत्ता राबड़ी को मनोनीत करके हस्तांतरित कर दी। स्वतंत्र भारत में राज्यसत्ता के पारिवारिक उत्तराधिकारी को ही हस्तांतरित किए जाने की यह मनोवृति सबसे शर्मनाक स्थिति रही है। बाद में लालू के दो पुत्र और दो पुत्रियां राजनीति में सीधे दखल देने लग गईं। किंतु 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद लालू कुनबे की कलह सड़क पर आ गई।

मुलायम सिंह यादव की कहानी भी लालू जैसी ही है। इनके पूरे कुनबे ने ही राजनीति में हस्तक्षेप करके गांधी और सिंधिया परिवार को पीछे छोड़ दिया है। मुलायम के भाई रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव राजनीति में हैं। बेटा अखिलेश उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब समाजवादी पार्टी उन्हीं की मुट्ठी में है। अखिलेश की पत्नी डिपंल भी सांसद हैं। भतीजे धर्मेन्द्र और अक्षय भी सक्रिय राजनीति में हैं। उसी तरह रामविलास पासवान के भाई रामचंद्र और पारस पहले ही राजनीति में थे। रामविलास पासवान के निधन के बाद उनके पुत्र चिराग के हाथो में लोक जनशक्ति पार्टी की कमान है।उसी तरह भारतीय राजनीति में वंशवाद के शुरुआती उदाहरणों में गांधी परिवार के साथ मध्य प्रदेश के सिंधिया परिवार का भी नाम शामिल है।

दक्षिण में भी वंश-वृक्ष खूब फल-फूल रहे हैं। आठ दशक पुराने क्रांतिकारी द्रविड़ आंदोलन और हिन्दी के विरोध की कोख से जन्मी द्रविड मुनेत्र कशघम यानी द्रमुक भी वंशवाद की राह पर है। एम करुणानिधि की राजनैतिक विरासत का वास्तविक उत्तराधिकारी कौन है, इस सवाल को लेकर उनके दोनों बेटों में खूनी जंग भी छिड़ चुकी है। हालांकि बड़े बेटे एमके अलागिरी की बजाए करुणानिधि ने छोटे बेटे एमके स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था इसलिए पार्टी और राज्य सत्ता की कमान स्टालिन के हाथ है। उनकी बेटी कनिमोझी भी सासंद हैं। 2 जी स्पेक्ट्रम घोटाले में वे जेल भी जा चुकीं हैं। हालांकि करूणानिधि और उनका दल साम्यवाद से प्रभावित रहा है। मार्क्स का जो ऐतिहासिक भौतिकवाद है, वह प्रजातंत्र में कुनबापरस्ती का विरोध करता है, लेकिन करुणानिधि का वंश इसी कुनुबापरस्ती की गिरफ्त में है। तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी और बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती अविवाहित हैं, बावजूद वंशवादी मानसिकता के चलते अपने भतीजों को आगे बढ़ा रही हैं।

तेलंगाना में केसीआर का उत्तराधिकारी कौन हो इसे लेकर भाई-बहन आपस में टकरा रहे हैं। बेटी कविता साल 2023 के शराब घोटाले में गिरफ्तार हुई तो भीतर का संघर्ष सड़क पर आ गया। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के अलग होने के बाद साल 2022 में शिंदे की बगावत ने शिवसेना के दो फाड़ कर दिए। इस अलगाव की वजह से बाल ठाकरे की विरासत कमजोर हुई तो भाजपा सत्ता के सिंहासन पर जा बैठी।

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर की मौत के बाद साल 2023-24 में पैतृक संपत्ति पर अधिकार को लेकर जगन और उर्मिला के बीच विवाद सामने आया और दोनों अलग-अलग दलों में पहुंच गए। महाराष्ट्र में शरद पवार की राजनीतिक विरासत पर रस्साकशी के बाद साल 2023 में अजीत पवार भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल हो गए, जिसके चलते पार्टी दो हिस्सों में विभाजित हो गई, इस विभाजन के साथ ही महाराष्ट्र में कई सीटों पर कांग्रेस-शिवसेना और अन्य गठबंधनों के साथ समीकरण बदल गए। जिसका नतीजा कांग्रेस शरद पवार और शिवसेना को भुगतना पड़ा। आज देश में दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह निर्मित हो गई है कि एक जमाने में वंशवाद के जो प्रबल विरोधी थे और जिन्हें गांधी परिवार फूटी आंख नहीं सुहाता था, वे इसके समर्थक व निष्ठानवान अनुयायी हो गए हैं। इसी कारण राजनीतिक वंशवाद ने अब एक ब्रांड का रूप धारण कर लिया है। आम जनता को इससे सचेत होने की जरूरत है। ब्रिटेन के लोकतंत्र का उल्लेख करते हुए दार्शनिक रूसो ने कहा था, 'इग्लैंण्ड की जनता समझती है कि वह आजाद है तो यह उसका भ्रम है। जनता की आजादी केवल वहीं तक है, जहां तक वह माननीय सांसदों का चुनाव करती है। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद जनता को गुलाम कैसे बनाए रखा जाए, इस दूषित मानसिकता का दुश्चक्र तुरंत घूमना शुरू हो जाता है।' भारत में यह कथन सत्य के निकट है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कट्टरपंथ की चुनौती और आत्ममंथन की जरूरत

–कृष्ण मोहन शर्मा

दिल्ली में हाल ही में उजागर हुए फिदायीन मॉड्यूल ने न केवल देश की सुरक्षा व्यवस्था को चौकन्ना किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि कट्टरपंथ का जाल हमारी सामाजिक संरचना में कितनी गहराई तक पैठ चुका है। चिंताजनक तथ्य यह है कि इस मॉड्यूल में शामिल दानिश और उमर जैसे युवा चिकित्सक थे-ऐसे प्रशिक्षित पेशेवर, जिनका पहला कर्तव्य मानव-जीवन की रक्षा है। लेकिन वे जिहादी विचारधारा से संचालित होकर आत्मघाती हमलों की तैयारी कर रहे थे। यह घटना केवल एक आतंकी षड्यंत्र नहीं बल्कि गहन सामाजिक-धार्मिक संकट का संकेत है, जिसे मुस्लिम समाज सहित पूरे देश को समझना होगा।

अक्सर यह कहा जाता है कि आतंकी का कोई मज़हब नहीं होता। यह वाक्य साम्प्रदायिक तनाव से बचने के लिए ज़रूरी हो सकता है, लेकिन तथ्यों की दुनिया में इसकी सीमाएँ हैं। यह एक कटु सत्य है कि विश्वभर में अनेक आतंकी हमले ऐसी विचारधाराओं से प्रेरित होते हैं- चाहे वह अल-कायदा हो, आईएसआईएस, तालिबान या आईएम जैसे संगठन। यह विचारधारा इस्लाम की मुख्यधारा नहीं है, परंतु यह भी सत्य है कि दानिश और उमर जैसे शिक्षित युवक इसी उग्रवादी नैरेटिव के प्रभाव में आए बिना फिदायीन बनने की राह पर नहीं चलते। समस्या को पहचानना समाधान का पहला और अनिवार्य कदम है।

कट्टरपंथ का सबसे खतरनाक रूप यह है कि यह केवल गरीब, अशिक्षित या वंचित समाज पर निर्भर नहीं रहता। दुनिया के अनेक आतंकवादी मॉड्यूल में बड़े-बड़े इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और उच्च शिक्षा प्राप्त युवक शामिल पाए गए हैं। उच्च शिक्षा कई बार कट्टर विचारधारा को अधिक बौद्धिक तर्क प्रदान कर देती है, जिससे व्यक्ति अपने कदम को धार्मिक कर्तव्य या उम्मत की सेवा की संकल्पना के भीतर सही ठहराता है। दानिश और उमर इसी वैश्विक पैटर्न के उदाहरण हैं—जहाँ पढ़े-लिखे युवक भी झूठे धार्मिक रोमांच और शहादत के भ्रम में अपने जीवन को विनाश की ओर धकेल देते हैं।

कट्टरपंथ का बीजारोपण अचानक नहीं होता। यह वर्षों तक धीरे-धीरे पनपता है- पहले पहचान आधारित भावनाएँ उभारी जाती हैं, फिर हम बनाम वे की खतरनाक मानसिकता पैदा की जाती है। पीड़ित भाव (victimhood) को धार्मिक कर्तव्य से जोड़ कर बताया जाता है कि पूरी दुनिया इस्लाम के विरुद्ध साजिश कर रही है। इसके बाद सोशल मीडिया, विदेशी नेटवर्क और गुप्त ऑनलाइन चैनलों के माध्यम से युवाओं को विश्वास दिला दिया जाता है कि हिंसा कोई अपराध नहीं बल्कि जन्नत का रास्ता है। कट्टरपंथ की यह साइलेंट प्रक्रिया मस्जिद, मदरसा, परिवार और मोबाइल- चारों दिशाओं से समान रूप से चलती है।

ऐसे में सवाल उठता है कि समाधान केवल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों पर ही क्यों छोड़ा जाए? जिस समाज से प्रभावित युवक निकलते हैं, उस समाज की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मुस्लिम समुदाय को विशेष रूप से विचार करना होगा कि क्या उनकी धार्मिक शिक्षा, आधुनिक और व्यावहारिक है? क्या मस्जिदों के इमाम अपने भाषणों में कट्टरपंथ को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं? परिवार क्या अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर सतर्क है? क्या समुदाय में प्रगतिशील आवाजों को समर्थन मिलता है? यदि इन सभी सवालों का जवाब 'नहीं' की ओर इशारा करता है, तो आत्ममंथन आवश्यक है।

कट्टरपंथ का सबसे गहरा और दीर्घकालिक नुकसान स्वयं मुस्लिम समाज को होता है। प्रत्येक आतंकी घटना के बाद पूरा समुदाय संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, चाहे उसकी कोई गलती न हो। पढ़े-लिखे युवाओं पर नौकरी और अवसरों में अविश्वास बढ़ता है। प्रगतिशील मुस्लिम बुद्धिजीवियों की आवाज दब जाती है और सामान्य मुसलमान भी सामाजिक संदेह का बोझ झेलते हैं। इसीलिए मुस्लिम समाज जितनी दृढ़ता से कट्टरपंथ के खिलाफ खड़ा होगा, उतनी ही तेजी से वह स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित रख पाएगा।

समाधान कठोर भी होना चाहिए और न्यायपूर्ण भी- मदरसा शिक्षा में आधुनिक पाठ्यक्रम जोड़ा जाए, मस्जिदों में जिम्मेदार और संयमित भाषण अनिवार्य हों, कट्टरपंथ फैलाने वाले तत्वों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो और परिवार अपने बच्चों को धार्मिकता और कट्टरता के बीच अंतर समझाएँ। बहुसंख्यक समाज की भूमिका भी जिम्मेदार होनी चाहिए- उकसावे, नफरत और भीड़-मानसिकता से बचते हुए कानून, सुरक्षा और संवैधानिक मूल्यों पर भरोसा बनाए रखना।

दानिश और उमर का मामला केवल अराजकता या षड्यंत्र नहीं बल्कि एक चेतावनी है कि कट्टरपंथ की जड़ें समाज के भीतर तक पहुँच चुकी हैं। भारत के करोड़ों शांतिप्रिय मुसलमान इस देश की उम्मीद और ताकत हैं। उनका आगे आकर कट्टरपंथ की निंदा करना, युवाओं को सचेत करना और समाज में सौहार्द का वातावरण बनाने की जिम्मेदारी उठाना आवश्यक है। कट्टरपंथ किसी एक समुदाय का नहीं पूरे देश का शत्रु है और उसकी हार तभी संभव है जब समाज, समुदाय और राज्य तीनों मिलकर उसके विरुद्ध एकजुट हों।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

हॉकी इंडिया ने रघु प्रसाद आरवी को एफआईएच 'अंपायर ऑफ द ईयर 2025' चुने जाने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अनुभवी भारतीय अंपायर रघु प्रसाद आरवी को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा 'अंपायर ऑफ द ईयर 2025' चुने जाने पर बधाई दी। यह सम्मान एफआईएच अंपायरिंग कमेटी की सिफारिशों के आधार पर घोषित किया गया। रघु प्रसाद ने अब तक 198 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जिम्मेदारी निभाई है। वह 2015 के बाद यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय अंपायर बने हैं, साथ ही एशिया महाद्वीप के पहले अंपायर भी हैं जिन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई है। बेंगलुरु से शुरू हुआ सफर, बने भारत के सबसे अनुभवी अंपायरों में से एक रघु ने 2001 में स्कूल, कॉलेज और स्थानीय लीग मुकाबलों से अपनी अंपायरिंग यात्रा शुरू की थी। 2003 में ऑस्ट्रेलिया में हुए फोर नेशंस टूर्नामेंट में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। इसके बाद उन्होंने कई बड़े आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें कॉमनवेल्थ गेम्स 2014, एशियाई खेल 2018 और 2022, सीनियर हॉकी विश्व कप 2010, 2014, 2018 और 2023 एवं ओलंपिक खेल 2012, 2020 और 2024 शामिल हैं। उच्च स्तर के मुकाबलों में उनका शांत स्वभाव और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन उन्हें विश्व हॉकी में एक सम्मानजनक स्थान दिलाता है।

साइना नेहवाल और पीटर गेड करेंगे 'द लीजेंड्स' विजन- लेगेसी टूर इंडिया' का नेतृत्व

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर और पद्म भूषण से सम्मानित साइना नेहवाल तथा डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी पीटर गेड इस वर्ष भारत में आयोजित होने वाले 'द लीजेंड्स' विज़न - लेगेसी टूर इंडिया की कमान संभालेंगे। यह वैश्विक पहल बैडमिंटन के विकास और जमीनी स्तर पर इसकी पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। दुनिया भर में इस अभियान से जुड़ी कैरोलिना मारिन के साथ अब साइना नेहवाल भी इसके प्रमुख चेहरों में शामिल हो गई हैं।

आठ साल बाद भारत में वापसी

यह प्रतिष्ठित टूर लगभग आठ वर्षों के अंतराल के बाद भारत लौट रहा है। कार्यक्रम 23 और 24 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के सिरी फ़ोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। दो दिनों का यह आयोजन केवल प्रदर्शनी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवा खिलाड़ियों, प्रशंसकों और समुदायों को बैडमिंटन के भविष्य से जोड़ने का एक अनोखा अवसर देगा।

'ए रैकेट्स सेकंड लाइफ़'—टूर का सबसे खास आकर्षण

टूर का मुख्य आकर्षण रहेगा 'ए रैकेट्स सेकंड लाइफ़', जिसके तहत प्रशंसकों को अपने इस्तेमाल किए गए रैकेट दान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इन रैकेटों को उन समुदायों और बच्चों तक पहुँचाया जाएगा जहां संसाधनों की कमी है, ताकि अधिक से अधिक युवा इस खेल से जुड़ सकें।

बॉडीबिल्डर वंदना ने इंडोनेशिया में बढ़ाया तिरंगे का मान, जुनून और जज्बे से जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत की बुलंद आवाज बनकर बॉडीबिल्डर वंदना ठाकुर इंडोनेशिया से गोल्ड लेकर लौटी हैं। यह सिर्फ पदक नहीं, बल्कि इसमें संदेश छिपा है कि भारत की बेटियां जब ठान लेती हैं, तो इतिहास का रुख भी बदल देती हैं। रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया के बाटम शहर रियाउ प्रांत में 11 से 17 नवंबर तक आयोजित 16वीं वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में वंदना ठाकुर ने दुनिया भर के दिग्गज बॉडीबिल्डर्स के बीच भारत का प्रतिनिधित्व किया। वंदना ने अकेले ही पूरे राष्ट्र की उम्मीदों का भार अपने कंधों पर उठाकर उसे स्वर्णिम अंजाम तक पहुंचाया। स्वर्णिम मंच तक पहुंचने का उनका सफर कठिन था, लेकिन वंदना एक ही बात पर अड़ी हुई थीं रार नहीं ठानूंगी, हार नहीं मानूंगी। सुबह की पहली किरण से पहले उठना, घंटों की कड़ी ट्रेनिंग, चोटों से लड़ना और फिर भी मुस्कुराते हुए आगे बढ़ना वन्दना की यही कहानी उन्हें आज भारत का स्वर्णिम गर्व बनाती है। यह जीत सिर्फ उनके मजबूत शरीर की नहीं, बल्कि उनके अटूट मनोबल, आत्मअनुशासन और देश के प्रति निःस्वार्थ और बेबाक प्रेम की जीत है।

लुंगी एनगिडी की वापसी से दक्षिण अफ्रीका को मजबूती; गुवाहाटी टेस्ट से पहले रबाडा पर संशय

गुवाहाटी। गुवाहाटी में शनिवार से शुरू होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अपने स्क्वाड में तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को शामिल किया है। कोलकाता टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को रबाडा की चोट ने बड़ी चिंता में डाला था और ऐसे में एनगिडी की वापसी मेहमान टीम के लिए राहत लेकर आई है। हालांकि गुवाहाटी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा, इसलिए पिच और परिस्थितियों को लेकर बड़ा सवाल बना हुआ है, और टीम अपनी तेज गेंदबाजी रणनीति को लेकर सतर्क है। पहले टेस्ट में पसलियों की चोट के कारण बाहर रहने वाले कैगिसो रबाडा की उपलब्धता अभी भी अनिश्चित है। दक्षिण अफ्रीका ने एनगिडी को शामिल कर यह संकेत दे दिया कि वे दूसरे टेस्ट में तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में बदलाव की संभावना पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। टीम के पास पहले से ही मार्को जेनसन, कॉर्बिन बॉश और वियान मुल्डर जैसे तेज़ गेंदबाज़ मौजूद हैं, लेकिन रबाडा जैसा अनुभवी मैच-विनर न होना टीम की रणनीति को प्रभावित कर सकता है। एनगिडी ने अब तक 20 टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन जनवरी 2024 में केपटाउन टेस्ट के बाद से वे लाल गेंद से केवल तीन बार मैदान पर उतरे हैं। उनका सबसे हालिया टेस्ट प्रदर्शन जून 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में हुआ था। भारत में उनका पिछला टेस्ट 2019 में रांची में हुआ था, जहां वे विकेट लेने में नाकाम रहे थे। हाल ही में वे पाकिस्तान दौरे पर वनडे और टी20 सीरीज़ का हिस्सा रहे।

स्कॉटलैंड ने 26 साल बाद फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, मैक्टोमिने ने दागा करिश्माई गोल

एजेंसी

ग्लास्गो। स्कॉटलैंड ने रात 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही डेनमार्क पर 4-2 की रोमांचक जीत दर्ज कर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह स्कॉटलैंड का 1998 के बाद पहला विश्व कप टिकट है। मैच में इंजरी टाइम में आए दो गोलों ने मुकाबले को यादगार बना दिया। शुरुआती तीसरे मिनट में स्कॉट मैक्टोमिने ने गेंद पर शानदार ओवरहेड किक मारकर स्कॉटलैंड को बढ़त दिलाई। नेपोली मिडफील्डर का यह गोल पूरे स्टेडियम को झूमने पर मजबूर कर गया। हालांकि डेनमार्क ने जल्द ही खुद को संभाला और पहले हाफ में गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन गोल नहीं कर सके। दूसरे हाफ में 57वें मिनट पर रासमुस होइलुंड ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके चार मिनट

बाद डेनमार्क को झटका लगा जब रासमुस क्रिस्टेनसन को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर मैदान छोड़ना पड़ा और टीम 10 खिलाड़ियों की रह गई। 78वें मिनट में लॉरेंस शेंकलैंड ने कॉर्नर पर शानदार फिनिश करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 की बढ़त दिलाई, लेकिन कुछ ही देर में पैट्रिक डॉर्गु ने स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद स्कॉटलैंड ने दमदार वापसी करते हुए इंजरी टाइम में दो गोल दागे। 93वें मिनट में कीरन टियरनी ने बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गोल किया और टीम को 3-2 से आगे कर दिया। मैच के खत्म होने से ठीक पहले केनी मैकलीन ने आधे मैदान से गेंद को गोल में डालकर स्कॉटलैंड की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। स्कॉटलैंड ग्रुप ष्ट का विजेता बनकर 13 अंकों के साथ विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई हुआ, जबकि डेनमार्क को प्लेऑफ का रास्ता अपनाना पड़ेगा। स्कॉटलैंड मैनेजर स्टीव क्लार्क ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'आखिरी कदम हमेशा मुश्किल होता है, और लड़कों ने इसे बखूबी संभाला। मैक्ट्रोमिने का ओवरहेड किक मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गोल था। 'कप्तान एंड्रयू रॉबर्टसन ने भावुक होकर कहा, 'हम कभी हार नहीं मानते। यह स्क्वॉड की पहचान है। हमने देश को रोमांच में डाल दिया, लेकिन इसका हर पल वाजिब था।

दीनदयाल उपाध्याय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता के लिए 16 सदस्यीय टीम चयनित

एजेंसी

मुरादाबाद। दीनदयाल उपाध्याय सीनियर महिला प्रदेश स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल टीम का चयन नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में 16 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के गोंडा में 20 नवंबर से 26 नवंबर तक आयोजित दीनदयाल उपाध्याय सीनियर महिला प्रदेश स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश व उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के समन्वय से कराया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 18 मण्डलों की टीमें प्रतिभाग कर रहीं है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन

नेताजी सुभाष चंद बॉस स्पोर्ट्स स्टेडियम में आज किया गया। चयन समिति में ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद की महिला विंग की सचिव माधुरी देवी व वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी टीना सैनी, क्षेत्रीय खेल कार्यालय से क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह रहे। चयनित टीम में सईदा मरयम, सुबिया कमाल, किंजल, सेहबा समीर, तेहबा समीर, अंजलि, अलिज़ा खान, अलका रानी, माधवी कश्यप, मुस्कान, वर्षा, कनक, पायल सैनी, फलक, प्रियांशु टीम मैनेजर सोनिया रानी अतिरिक्त खिलाड़ी रिफा बतुल शामिल हैं।

कुराकाओ बना फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने वाला सबसे छोटा देश

एजेंसी

किंग्सटन। कैरेबियाई क्षेत्र का छोटा सा द्वीप राष्ट्र कुराकाओ ने इतिहास रच दिया है। जमैका के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलकर कुराकाओ ने पहली बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह उपलब्धि हासिल करने वाला यह दुनिया का सबसे छोटा देश बन गया है।

कुराकाओ, जिसकी आबादी सिर्फ 1.56 लाख है, ने किंग्सटन में खेले गए मुकाबले में जमैका की ओर से हुए जोरदार दूसरे हाफ के दबाव को झेलते हुए जरूरी ड्रॉ हासिल किया, जिससे उसे संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होने वाले आगामी विश्व कप का टिकट मिल गया।

'ब्लू वेव' के नाम से मशहूर टीम का यह सफर किसी परीकथा से कम नहीं रहा। छह मैचों में 12 अंकों के साथ कुराकाओ ने ग्रुप-क्व में शीर्ष स्थान हासिल किया और जमैका पर

एक अंक की बढ़त के साथ क्वालिफिकेशन पक्का किया।

अगले साल पहली बार विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़कर 48 होने जा रही है, और इसी के साथ कुराकाओ ने सबसे छोटे देश के तौर पर क्वालिफाई करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड आइसलैंड (2018) के नाम था, जिसकी आबादी करीब 3.5 लाख है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे प्रणय, आयुष और मन्नेपल्ली

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एच.एस. प्रणय, आयुष शेट्टी और थारुन मन्नेपल्ली ने पुरुष एकल के पहले दौर में शानदार जीत दर्ज की और दूसरे दौर में स्थान पक्का किया। 2023 के उपविजेता एच.एस. प्रणय ने खराब शुरुआत के बाद दमदार वापसी करते हुए विश्व नंबर 85 योहानेस सॉट मार्सेलिनो को 6-21, 21-12, 21-17 से मात दी। 57 मिनट चले मुकाबले में जीत के बाद अब प्रणय का सामना इंडोनेशिया के आठवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा।

विश्व नंबर 32 आयुष शेट्टी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कनाडा के सैम युआन को 21-11, 21-15 से केवल 33 मिनट में हराया। 20 वर्षीय आयुष अब चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोदाई नाराओका और कनाडा के ज़ियाओडोंग शेंग के बीच के विजेता से भिड़ेंगे। इसी बीच, थारुन मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के

मैग्नस जोहानसेन के खिलाफ 21-13, 17-21, 21-19 की कड़े संघर्ष वाली जीत हासिल की। 66 मिनट तक चले इस मुकाबले के बाद अब मन्नेपल्ली का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा।भारत के किरण जॉर्ज ने भी शानदार जज्बा दिखाया, लेकिन वह छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से 21-11, 22-24, 17-21 से करीबी मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। दिन में बाद में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत अपने-अपने मुकाबले खेलेंगे।

दृष्टिबाधित पदक विजेता सौरभ शर्मा पहली बार अडानी अहमदाबाद मैराथन में उतरने को तैयार

एजेंसी

अहमदाबाद। हिमाचल प्रदेश के 20 वर्षीय पैरा एथलीट सौरभ शर्मा के लिए आगामी अडानी अहमदाबाद मैराथन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उनके अब तक के संघर्ष, उपलब्धियों और आत्मविश्वास की लंबी यात्रा का प्रतीक है। दृष्टिबाधित वर्ग (ञ्12) के धावक सौरभ भारत और विदेश में कई बड़े पैरा एथलेटिक्स इवेंट में हिस्सा ले चुके हैं। लेकिन इस मैराथन में उतरना उनके करियर का एक नया और भावनात्मक पड़ाव होगा।

आंशिक रूप से दृष्टिहीनता के साथ शुरू हुआ सफर

सौरभ ने अपनी खेल यात्रा देहरादून स्थित नेशनल दृष्टि दिव्यांगजन एम्पावरमेंट इंस्टीट्यूट से शुरू की, जहां उनके कोच नरेश सिंह नैयाल ने उन्हें फुटबॉल और क्रिकेट से दौड़ की ओर प्रेरित किया। उन्होंने बताया, '2021 में बेंगलुरु में पहली बार पैरा नेशनल्स में दौड़ा और टॉप-5 में जगह बनाई। 2022 में ओडिशा में 5000 मीटर में पहला मेडल जीता। 2024 में स्विट्जरलैंड में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय इवेंट खेला और वहां दो गोल्ड जीते—तब जाकर समझ आया कि यह सफर कितनी दूर जा सकता है। '

सौरभ 1500 मीटर और 5000 मीटर ञ्12 कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ट्यूनिशिया और भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 और 2025 में भी वह पदक जीत चुके हैं। वर्तमान में वह गांधीनगर स्थित साई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) सेंटर में कोच नरेश शर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

गाइड रनिंग की चुनौतियां और आत्मनिर्भरता

सौरभ कहते हैं, 'दृष्टिबाधित धावकों के लिए सबसे बड़ी मुश्किल गाइड मिलना और उसके खर्चे उठाना है, जो अक्सर दोगुने होते हैं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि अपनी कैटेगरी में स्वतंत्र रूप से दौड़ सकता हूं लेकिन 2022 में मैं खुद भी ब्लाइंड नेशनल चैंपियनशिप में अन्य धावकों का गाइड रहा हूं। तभी समझ आया कि इसमें भरोसा और अभ्यास कितना जरूरी है। 'साई सेंटर की सुविधाओं के बारे में उन्होंने कहा, 'यहां अच्छी कोचिंग, पोषण और ट्रेनिंग का माहौल है, जिससे हम पूरी तरह प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय तैयारी पर ध्यान दे पाते हैं। '

परिवार की समझ से लेकर समर्थन तक—एक बदला हुआ नजरिया

शुरुआत में खेल को लेकर परिवार में संदेह था। सौरभ बताते हैं, 'घरवाले पूछते थे कि यह कौन-सा खेल है? लेकिन जैसे-जैसे मैंने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और जीत हासिल की, वे मेरे सबसे बड़े सहायक बन गए। ' इस महीने सौरभ हजारों धावकों के साथ मैराथन में उतरेंगे। 2017 में शुरू हुई अडानी अहमदाबाद मैराथन का मुख्य उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को सम्मान देना है। सौरभ ने कहा, 'मेरी बचपन की इच्छा थी कि मैं सेना में जाऊं, लेकिन दृष्टिबाधित होने के कारण यह संभव नहीं हो सका। ऐसे इवेंट का हिस्सा बनना, जो हमारे सैनिकों का सम्मान करता है, मेरे लिए बहुत खास है। यह मेरे अपने तरीके से योगदान देने जैसा है। '

खेल राज्य मंत्री रक्षा खड़से ने एशियन रग्बी पदक विजेताओं को किया सम्मानित, 'अस्मिता' के सोशल मीडिया हैंडल्स लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल और युवा मामलों के राज्य मंत्री रक्षा खड़से ने राजधानी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एशियन अंडर-20 महिलाओं की रग्बी टीम की पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसी अवसर पर उन्होंने अस्मिता (ASMITA - Achieving Sports Milestone by Inspiring Women Through Action) लीग्स के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स की भी शुरुआत की। यह पहल खेलो इंडिया के जेंडर-न्यूट्रल मिशन का अहम हिस्सा है, जो महिलाओं को खेलों में अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

अस्मिता के अब तक के प्रभावशाली परिणाम

2021 में शुरू हुई अस्मिता आज महिलाओं के लिए देश की सबसे बड़ी खेल लीग्स में शामिल हो चुकी है। अब तक 1886 अस्मिता लीग्स का आयोजन, 2.14 लाख महिला खिलाड़ियों की भागीदारी, 32 खेलों में प्रतियोगिताएं और 500+ जिलों और 600+ शहरों में आयोजन किए गए हैं। यह कार्यक्रम अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और सीमावर्ती गांवों तक भी पहुंच चुका है। रक्षा खड़से ने कहा, 'अब अस्मिता को अपनी अलग पहचान देने का वक्त आ गया है। सोशल मीडिया के माध्यम से हम और अधिक महिलाओं तक पहुंच सकते हैं और उन्हें खेल से जोड़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। '

कार्यक्रम में उन्होंने छह खिलाड़ियों दुमुनी मारंडी, भूमिका शुक्ला, उज्ज्वला घुघे, गुरिया कुमारी, संध्या राय और अमनदीप कौर को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी बिहार के राजगीर में इस वर्ष आयोजित एशियन अंडर-20 चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं।

ब्राज़ील और ट्यूनीशिया के बीच फ्रेंडली मैच 1-1 से ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। कार्लो एंसेलोटी की कोचिंग में खेल रही ब्राज़ील की टीम ने लिले में ट्यूनीशिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच 1-1 से ड्रा खेला। 2026 विश्व कप की तैयारी के लिए यह मुकाबला ब्राज़ील के लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इन-फॉर्म 18 वर्षीय स्टार एस्टेवाओ ने पेनल्टी के जरिए गोल दागा, लेकिन लुकास पाक्वेटा ने देर से मिली पेनल्टी का मौका गंवा दिया, जिससे ब्राज़ील जीत दर्ज करने से चूक गया। दक्षिण अमेरिकी क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर रहने और पिछले महीने जापान से 3-2 से हार झेलने के बाद ब्राज़ील का प्रदर्शन लगातार अस्थिर बना हुआ है। एंसेलोटी ने मैथ्यूस कुन्हा, विनीसियस जूनियर, रोड्रिगो और एस्टेवाओ जैसे चार फॉरवर्ड के साथ मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। इसके बावजूद, ट्यूनीशिया ने पहले हाफ के मध्य में अली अब्दी के

शानदार पास पर हज़ेम मास्तौरी के गोल से बढ़त बना ली।

हाफ़टाइम से ठीक पहले वीएआर ने हैंडबॉल के लिए ब्राज़ील को पेनल्टी दिलाई, जिस पर एस्टेवाओ ने अपना पांचवां अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज किया। मैच के 78वें मिनट में ब्राज़ील को एक और पेनल्टी मिली, लेकिन सब्स्टीट्यूट पाक्वेटा ने एस्टेवाओ की जगह स्पॉट किक लेते हुए गेंद को क्रॉसबार के ऊपर मार दिया, जिससे बढ़त का मौका हाथ से निकल गया। 89वें मिनट में एस्टेवाओ के गिराए जाने पर ब्राज़ील ने तीसरी पेनल्टी की मांग की, लेकिन वीएआर समीक्षा के बाद भी रेफरी ने खेल जारी रहने दिया।

अन्य अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली परिणामः

सेनेगल ने सादियो माने के पहले हाफ में हैट्रिक की बदौलत केन्या को 8-0 से रौंदा।

अफ्रीकी चैंपियन कोट डी'आइवोर (आइवरी कोस्ट) ने सऊदी अरब से हार के बाद ओमान को 2-0 से मात दी।

अल्जीरिया ने सऊदी अरब को 2-0 से हराया, जिसमें रियाद महरेज़ गोल स्कोरर रहे।

मोरक्को ने युगांडा पर 4-0 की आसान जीत दर्ज की।

वहीं, अगले साल पहली बार विश्व कप खेलने जा रहा उज्बेकिस्तान ईरान के खिलाफ 0-0 ड्रॉ खेला, जिसमें मैनचेस्टर सिटी डिफेंडर अब्दुकोदिर खुशनोव को रेड कार्ड मिला।

40वी इंदिरा मैराथन में प्रदीप सिंह चौहान व रीनू ने प्रथम स्थान पर मारी बाजी

एजेंसी

प्रयागराज। 40वीं इंदिरा मैराथन में बुधवार को 42.195 किलोमीटर की दौड़ पूरी करते हुए पुरुष वर्ग में उत्तराखंड के धावक प्रदीप सिंह चौहान और महिला वर्ग में हरियाणा की रीनू ने प्रथम स्थान पर बाजी मारी। इसी तरह पुरुष वर्ग में द्वितीय स्थान पर उप्र के प्रतापगढ़ जिले के ज्ञान बाबू ने दौड़ पूरी किया। तीसरे स्थान पर प्रयागराज के रोहित सरोज ने दौड़ पूरी किया। महिला वर्ग में द्वितीय स्थान पर महाराष्ट्र की अश्विनी मदान जादव और महाराष्ट्र की ज्योति शंकर गवते पहुंची है। पहली बार मैराथन में 21 वर्ष से कम उम्र के एथलीटों (न्यूनतम 18 वर्ष तक) को दौड़ने का मौका दिया गया है। जो सीने पर इलेक्ट्रॉनिक चिप युक्त विब लगाकर दौड़े हैं। इस बार भी सर्वाधिक संख्या सेना व पैरामिलिट्री के धावकों की है। जबकि देश के दक्षिणी हिस्से से सर्वाधिक एथलीटों का प्रयागराज में जमावड़ा हुआ है। 40वीं इंदिरा मैराथन का शुभारम्भ उप्र खेल निदेशक डा.आर.पी.सिंह, जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा, उप्र एथलेटिक्स संघ के सचिव नरेन्द्र

कुमार और अध्यक्ष आशुतोष भल्ला, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रयागराज प्रेम कुमार और मण्डलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया।

एशेज से पहले चोटिल हुए स्टीव स्मिथ, नेट्स में बल्लेबाजी करते कलाई पर लगी चोट

एजेंसी

पर्थः ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने पहले एशेज टेस्ट से पहले नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए टीम कैंप की धड़कनें बढ़ा दीं। अभ्यास के दौरान उनकी कलाई में चोट लगती दिखी, जिसके बाद फिजियो उन्हें तुरंत मेडिकल टेंट में लेकर गए।हालांकि टीम के लिए राहत की बात यह रही कि थोड़े समय बाद स्मिथ मैदान पर लौटे और शैडो बैटिंग करते दिखाई दिए। इससे संकेत मिला कि चोट गंभीर नहीं है और वे शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए उपलब्ध रह सकते हैं।स्मिथ एशेज इतिहास के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। उन्होंने 37 एशेज टेस्ट में 3,417 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल उन्होंने छह टेस्ट में 515 रन बनाए हैं और उनका औसत 51.50 रहा है।ऑस्ट्रेलिया पहले एशेज टेस्ट के लिए स्मिथ की कप्तानी में उतरेगा, क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस सितंबर में लगी कमर की चोट के कारण बाहर हैं। पिछली बार जब ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टेस्ट खेला था, तब उन्हें भारत के खिलाफ 295 रन से करारी हार झेलनी पड़ी थी।

हिमालय में रॉयल एनफील्ड का आइस हॉकी सीजन-3 लॉन्च, लद्दाख-हिमाचल-उत्तराखंड में होगा विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने हिमालयी क्षेत्रों में अपने आइस हॉकी कार्यक्रम के तीसरे सीज़न की घोषणा कर दी है। इस बार सीजन का दायरा और भी बड़ा होगा, जिसमें लद्दाख में रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग (REIHL) और हिमाचल प्रदेश में होने वाला स्पीति कप मुख्य आकर्षण रहेंगे। कंपनी इस सीज़न को प्रशिक्षण, ग्रासरूट विकास और सामुदायिक सहभागिता के स्तर पर पिछले वर्षों से ज्यादा विस्तार देने जा रही है।

कोच और रेफरी ट्रेनिंग पर विशेष फोकस

सीजन की शुरुआत देहरादून और लेह में आयोजित होने वाले कोच और रेफरी प्रशिक्षण शिविरों से होगी। इन कार्यक्रमों का संचालन आइस हॉकी के अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक, कोच डैरिल ईसन और ऑफिशिएटिंग इंस्ट्रक्टर पीटर गेबी करेंगे। उद्देश्य है—स्थानीय कोचों और अधिकारियों को उन्नत कौशल देकर लर्न-टू-प्ले (LTP) कार्यक्रमों को मजबूत बनाना और युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देना।

1000 से अधिक बच्चों को मिलेगा खेल से जुड़ने का अवसर

लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड

में स्क्क्कऔर बेसिक स्केटिंग कार्यक्रमों के ज़रिए इस सीजन में 1000 से ज्यादा बच्चों को आइस हॉकी से परिचित कराया जाएगा। लेह में पहली बार शुरू किया जा रहा 'पॉन्ड हॉकी' भी बच्चों को खेल से जोड़ने की नई पहल है, जिसमें प्रशिक्षण शिविर और 313 नॉन-कॉन्टैक्ट टूर्नामेंट शामिल होंगे।

स्थानीय समुदायों के लिए बड़ा कदम

ईचर ग्रुप फाउंडेशन की एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर बिदिशा डे ने कहा कि यह पहल अब केवल सहभागिता तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रशिक्षित स्थानीय कोचों और युवा नेताओं के माध्यम से समुदायों में खेल संस्कृति को स्थायी रूप से विकसित करने का प्रयास है।

जनवरी 2026 में दो बड़े टूर्नामेंट

सीज़न का समापन जनवरी 2026 में लेह में REIHL और काज़ा में स्पीति कप के साथ होगा। दोनों टूर्नामेंटों में लद्दाख और हिमाचल प्रदेश की 30 से अधिक टीमों और लगभग 700 खिलाड़ियों की भागीदारी तय मानी जा रही है। इस बार खारू (लद्दाख) और लाहौल (हिमाचल) से नई टीमें भी पहली बार मैदान में उतरेंगी।

पिछला सीजन रहा बेहद सफल

2025 के संस्करण में लद्दाख, नुब्रा, कारगिल, ज़ांस्कर, स्पीति और अन्य क्षेत्रों की कुल 30 टीमों ने हिस्सा लिया था, जबकि 10,000 से ज्यादा दर्शकों की उपस्थिति ने टूर्नामेंट को स्थानीय उत्सव का रूप दे दिया था। पुरुष व महिला दोनों श्रेणियों में कांग सिंग्स, मरयुल स्पामो, शाम जोन और सेंटर जोन जैसी टीमों के शानदार प्रदर्शन ने हिमालय में आइस हॉकी के बढ़ते प्रभाव को मजबूत किया।

स्टॉक मार्केट में महामाया लाइफसाइंसेज की मामूली बढ़त के साथ एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी महामाया लाइफसाइंसेज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 114 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 116 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद कुछ देर तक इस शेयर में उतार चढ़ाव होता रहा। इसके बाद दोपहर 11:30 बजे के करीब खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 121.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 115 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन सिर्फ 0.88 प्रतिशत का ही मुनाफा हो सका।महामाया लाइफसाइंसेज लिमिटेड का 70.44 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.63 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

उदयपुर में रॉयल वेडिंग : अमेरिकी कारोबारी के बेटे की शादी में शामिल होंगे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर, लेकसिटी में VVIPS मूवमेंट शुरू

उदयपुर। उदयपुर अपने ऐतिहासिक शाही ठाठ-बाट और खूबसूरत पलेसों के साथ एक बार फिर दुनिया के अमीर और मशहूर व्यक्तियों का केंद्र बनने जा रहा है। 21 से 24 नवंबर तक शहर में अमेरिकी कारोबारी के बेटे और अमेरिकी मूल की दुल्हन एलिजाबेथ की शादी में शामिल होने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर अपनी फैमिली के साथ उदयपुर आएंगे। शादी के मुख्य कार्यक्रम जग मंदिर पैलेस में आयोजित होंगे, जबकि अन्य समारोह सिटी पैलेस के माणक चौक में सजाए गए हैं। ट्रम्प जूनियर पिछोला झील के बीच बने होटल लीला पैलेस में ठहरेंगे। इस भव्य वेडिंग के लिए शहर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की टीम पहले ही उदयपुर पहुँच चुकी है। अमेरिकी कारोबारी के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए दुनिया भर से कई बिजनेस हस्तियां भी उदयपुर आएंगी। ट्रम्प जूनियर का यह भारत दौरा उनका दूसरा है; पहली बार वे 2018 में नई दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता गए थे। उस समय उनके दौरे पर अमेरिकी करदाताओं के करीब एक लाख डॉलर खर्च होने की चर्चा भी रही थी। साथ ही, 22 नवंबर को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर की पोती की शादी रणकपुर के होटल लालबाग में होगी। इस समारोह में गृहमंत्री अमित शाह सहित कई मुख्यमंत्री और मंत्री शामिल होंगे।

अब आईफोन चोरी होने या खो जाने पर भी एप्पलकेयर प्लस के तहत कवरेज

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल ने भारत में एप्पलकेयर प्लस विकल्पों के विस्तार की घोषणा की जिसमें अब आईफोन चोरी होने या खो जाने पर भी कवरेज का लाभ मिलेगा। कंपनी ने बताया कि इसके तहत आईफोन के चोरी होने या खो जाने पर भी ग्राहकों को एप्पलकेयर प्लस का लाभ मिल सकेगा। ग्राहक मासिक या वार्षिक एप्पलकेयर प्लस प्लान ले सकेंगे। उनके पास अपने एप्पल प्रोडक्ट्स की सुरक्षा के बारे में अब अधिक विकल्प और लचीलापन उपलब्ध होगा, वे जब तक चाहें इसे एक्टिवेट रख सकते हैं और जब चाहें सब्सक्रिप्शन आगे जारी नहीं रखने का फैसला कर सकते हैं। एप्पल की आईफोन उत्पाद विपणन की वैश्विक उपाध्यक्ष कायन ड्रेंस ने कहा, 'हमारे एप्पलकेयर ग्राहकों को यह जानकर मानसिक सुकून मिलेगा कि उनके उत्पाद एप्पल विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षित और समर्थित हैं। भारत में आज के अपडेट के साथ हम आईफोन के लिए हमारे सर्वाधिक परिपूर्ण कवरेज तक पहुंच के अलावा विश्वसनीय सुरक्षा प्राप्त करना आसान तथा अधिक किफायती बना रहे हैं। ' एप्पलकेयर प्लस हर साल चोरी या गुम होने की अधिकतम दो घटनाओं के लिए कवरेज प्रदान करता है।

जियो के सभी 5जी यूजर्स के लिए 18 महीने तक निःशुल्क जेमिनआई 3 एक्सेस

मुंबई। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने अपने सभी 5जी यूजर्स के लिए जियो जेमिनआई प्रो प्लान बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इस प्लान में गूगल के नये और एडवांस जेमिनआई 3 मॉडल को शामिल किया गया है, जिससे यूजर्स को और भी अच्छा एआई अनुभव मिलेगा। पहले यह ऑफर केवल युवा ग्राहकों तक ही सीमित था लेकिन अब कंपनी ने इसे सभी अनलिमिटेड 5जी यूजर के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा की है। कंपनी ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सभी जियो अनलिमिटेड 5जी ग्राहक 18 महीने तक जेमिनआई प्रो प्लान का मुफ्त लाभ उठा सकेंगे, जिसकी कीमत 35,100 रुपये है। यह सुविधा 19 नवंबर से सभी के लिए उपलब्ध होगी। माईजियो ऐप में 'क्लेम नाउ' बैनर पर क्लिक करते ही तुरंत एक्टिवेट हो जायेगी।

सुदीप फार्मा लि. का आईपीओ 21 नवंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 563-593 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। सुदीप फार्मा लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 नवंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें 25 नवंबर तक निवेश के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 563-593 रुपये प्रति शेयर तय किया है। सुदीप फार्मा लिमिटेड ने अपने पहले आईपीओ के लिए 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर का मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 563 से 593 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ से 895 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 25 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 25 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। सुदीप फार्मा लिमिटेड का यह आईपीओ 95 करोड़ रुपये के

नए निर्गम और प्रमोटर एवं प्रमोटर समूह द्वारा शेयरधारकों को 800 करोड़ रुपये में 13,490,726 शेयरों तक की बिक्री पेशकश का संयोजन है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 75.8 करोड़ रुपये का उपयोग नंदेसरी फैसिलिटी 1, गुजरात स्थित उत्पादन लाइन के लिए मशीनरी की खरीद और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में पूंजीगत व्यय के लिए करेगी। इसके अलावा बाकी रकम का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी अपने संचालन को विस्तार देने और टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की योजना बना रही है।सुदीप फार्मा लिमिटेड एक टेक्नोलॉजी-ड्रिवन कंपनी है, जो एक्सीपियंट्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स का निर्माण करती है। इन उत्पादों का इस्तेमाल दवा उद्योग, खाद्य उद्योग और न्यूट्रिशन सेक्टर में किया जाता है। इसके अलावा कंपनी पूरी तरह इन-हाउस टेक्नोलॉजी पर काम करती है, जिसमें एनकैप्सूलेशन, स्प्रे ड्राइंग, ग्रेन्यूलेशन, ब्लेंडिंग और लिपोसोमल प्रिपरेशन जैसी एडवांस प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी की पहुंच 100 से ज्यादा देशों में है और यह अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका और एशिया-पैसिफिक जैसे बड़े बाजारों में मजबूत उपस्थिति रखती है।

सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर विनिर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों और स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में स्टार्टअप्स इकोसिस्टम के हितधारकों और विनिर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रमुखों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठकों की अध्यक्षता की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में स्टार्टअप्स इकोसिस्टम के हितधारकों के साथ पांचवें बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। साथ ही सीतारमण ने विनिर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रमुखों के साथ छठे बजट-पूर्व परामर्श बैठक की। मंत्रालय के मुताबिक 5वें बजट-पूर्व परामर्श बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव और वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने भी भाग लिया। वहीं, छठे बजट-पूर्व परामर्श बैठक में पंकज चौधरी एवं आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सीतारमण के नेतृत्व में विभिन्न स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित प्री-बजट परामर्श बैठक में सम्मिलित हुआ। इस बैठक के दौरान आगामी बजट के संदर्भ में महत्वपूर्ण नीतिगत पहलुओं, वित्तीय सुधारों, नवाचार-आधारित विकास, तथा निवेश से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर व्यापक तथा सार्थक चर्चा हुई।

व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश पर उच्च स्तरीय वार्ता के लिए इजराइल जायेंगे पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के निमंत्रण पर 20-22 नवंबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। गोयल के साथ सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और स्टार्ट-अप इंडिया का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान इजराइल के शीर्ष नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वे अपने इजराइली समकक्ष, अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के अलावा वह कुछ अन्य मंत्रियों से भी बातचीत करेंगे। यह चर्चा व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने, कृषि, जल, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, उन्नत विनिर्माण जैसे

प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा स्टार्ट-अप सहित दोनों देशों के व्यवसायों के बीच बेहतर सहयोग के अवसरों की खोज पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

मंत्रालय के मुताबिक पीयूष गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहां वे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने के तरीकों पर नेताओं और व्यवसाय जगत के लोगों के साथ चर्चा करेंगे। इसके साथ ही प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा की जा सकती है। गोयल भारत-इजराइल व्यापार फोरम में भाग लेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के प्रमुख व्यापारिक संघ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की यह यात्रा 22 नवंबर को संपन्न होगी।

स्टॉक मार्केट में टेनेको क्लीन एयर की मजबूत लिस्टिंग, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। गाड़ियों के लिए एमिशन कंट्रोल टेक्नोलॉजीज पर काम करने वाली कंपनी टेनेको क्लीन एयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 397 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 498 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 505 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 514.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 29.58 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है टेनेको क्लीन एयर का 3,600 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 61.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 174.78 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 42.79 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 5.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया गया है, बल्कि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 9,06,80,101 शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बिक्री की गई है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 381.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 416.79 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 553.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 तक कंपनी को 168.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्सेलसॉफ्ट का आईपीओ, 21 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। एडटेक कंपनी एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है। एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 125 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,874 रुपये का निवेश करना होगा। वहीं खुदरा निवेशक इस आईपीओ में 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 4,16,66,666 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 180 करोड़ रुपये के 1.50 करोड़ नए शेयर और 320 करोड़ रुपये के 2,66,66,666 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 22.41 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 12.755 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 34.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 6.01 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 197.97 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 200.70 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 248.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 60.28 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 118.09 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 76.73 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 26.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 37.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 276.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 295.71 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 269.66 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 तक ये 274.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सरकार का प्रदर्शन विरासत से विकास और फिर विश्वास में बदल गया हैः गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में कहा कि सरकार का प्रदर्शन विरासत से विकास और फिर विश्वास में बदल गया है। उन्होंने कहा, यह विश्वास ही राजनीति है, जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ा रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ (फिक्की) की 98वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिसका विषय था 'भारतः आत्मनिर्भर आर्थिक महाशक्ति', कहा कि सरकार जन विश्वास विधेयक के दो संस्करण लेकर आई है। उन्होंने कहा कि कारोबारियों तथा आम आदमी के जीवन को आसान बनाने के लिए कानून के सभी प्रावधानों को गैर-अपराधीकरण करने के लिए जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण को पहले ही तैयार कर लिया गया है। गोयल ने फिक्की की 98वीं वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा के चार प्रमुख आयामों के रूप में विनिर्माण, कौशल, निवेश और प्रौद्योगिकी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार निवेश माहौल को मजबूत करने के लिए एफडीआई और एफपीआई प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर रही है। गोयल ने फिक्की के साथ सहयोग को मजबूत करने के लिए सरकार के पांच सूत्री एजेंडे की रूपरेखा प्रस्तुत की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अब प्रतिभा और नवाचार में भारत की ताकत को पहचान रही हैं जिससे आने वाले वर्षों में देश उभरती प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व की भूमिका निभाने की स्थिति में होगा।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सस्ती हुई चांदी, 5 हजार रुपये तक घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 3,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की इस गिरावट के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,68,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,61,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,61,700 रुपये के

भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,62,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,62,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,61,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,69,900 रुपये के स्तर पर आ गई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि इंडस्ट्रियल सेक्टर की मांग में कमी आने के कारण इन दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम थोड़ा घटे हैं, जिसका असर घरेलू बाजार में भी दिख रहा है।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार से दिसंबर के अंत तक इंडस्ट्रियल डिमांड में तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं। इसलिए आने वाले दिनों में चांदी के भाव में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। मयंक मोहन के अनुसार सर्राफा बाजार में जारी फिलहाल जारी उतार-चढ़ाव के कारण छोटे निवेशकों को संभल कर निवेश योजना बनानी चाहिए, अन्यथा उन्हें नुकसान का सामना भी करना पड़ सकता है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, 1,760 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जोरदार गिरावट का रुख बना है। सोना आज 1,620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में कमी होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,23,650 रुपये से लेकर 1,23,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट

सोना आज 1,13,340 रुपये से लेकर 1,13,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,520 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिरावट आई है। वहीं, चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,61,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,23,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,24,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,23,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वाहन उद्योग की तीन दिवसीय कौशल प्रदर्शनी राजधानी में शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल (एएसडीसी) की मंगलवार से यहां शुरू हुई तीन दिवसीय कौशल प्रदर्शनी में एक ट्राय-ए-स्किल ज़ोन बनाया गया है जहां आगंतुक किसी कौशल विशेष में अपनी क्षमता आजमा सकते हैं। यशो भूमि में लगी इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और उद्योग विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। प्रदर्शनी में वाहन प्रौद्योगिकी और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के भारतीय और वैश्विक मानकों पर आधारित कौशल कार्यों की प्रदर्शनी लगायी गयी है। इस प्रदर्शनी के पहले दिन ट्राय-ए-स्किल ज़ोन आगंतुकों के लिए आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र साबित हुआ, जहां युवाओं ने एआर वेल्डिंग और एआर पेंटिंग सिमुलेटर के जरिए वेल्डिंग और रंगाई कौशल की आजमाइश की। साथ ही ऑटो बॉडी रिपेयर तकनीकों का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। बीस नवंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कौशल प्रतियोगिताएं, वर्कशॉप और पैनल डिस्कशन शामिल हैं। एएसडीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि तेजी से बढ़ती औद्योगिक जरूरतों के बावजूद देश में प्रशिक्षित वेल्डरों की उपलब्धता कम है, जबकि पारंपरिक प्रशिक्षण में अधिक लागत की जरूरत होती है। ऐसे में एआर तकनीक आधारित प्रशिक्षण मॉडल एक सुरक्षित, सस्ता और प्रभावी विकल्प साबित हो सकता है।

गैलार्ड स्टील का आईपीओ लॉन्च, 26 नवंबर को होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे और डिफेंस सेक्टर से जुड़े उद्योगों के लिए रेडी-टू-यूज कंपोनेंट्स तैयार करने वाली कंपनी गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। गैलार्ड स्टील के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 3 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 18 नवंबर को गैलार्ड स्टील ने 4 एंकर इनवेस्टर्स से 10.64 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में विकासा इंडिया ईआईएफ फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा, जिसने कंपनी से 2,09,000 शेयर खरीदे। इसके अलावा, कॉग्निजेंट कैपिटल डायनामिक अपॉर्च्युनिटीज फंड, सेगवन फ्लैगशिप ग्रोथ फंड और मिनर्वा वेंचर्स फंड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.32 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.28 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.40 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं अंकित कंसलटेंसी प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जबकि असनानी स्टॉक ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 6.07 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी के मुनाफे में गिरावट आ गई। इस साल कंपनी को 4.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 27.86 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 53.52 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में गिर कर 32.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 17.59 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 20.38 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 19.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 4.03 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 10.08 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 14.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रिशिएशंस एंड एमॉर्टिज़ेशन) 2022-23 में 5.07 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 12.47 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 7.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

अमेरिका ने सऊदी अरब को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी घोषित किया

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका ने सऊदी अरब को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी घोषित किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मंगलवार को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सम्मान में दिए गए रात्रिभोज में इस फैसले की घोषणा की। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम सऊदी अरब को आधिकारिक रूप से एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी घोषित करके अपने सैन्य सहयोग को और भी ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, मैं इसे कुछ समय तक गुप्त रखना चाहता था। मगर मैं खुद को नहीं रोक सका। ट्रंप की यह घोषणा सऊदी अरब के साथ सैन्य साझेदारी को गहरा और औपचारिक बनाने के लिए अमेरिका के प्रयासों को रेखांकित करती है। उन्होंने रात्रिभोज से पहले कहा था कि सऊदी अरब लंबे समय से प्रतिष्ठित एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप और क्राउन प्रिंस ने कुछ ऐतिहासिक समझौतों को अंतिम रूप दिया है। रात्रिभोज पर पहुंचे सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का स्वागत काले रंग का टक्सीडो पहने ट्रंप और पन्ना रंग का गाउन पहने प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने साउथ लॉन के प्रवेश द्वार पर किया। इस दौरान एक सैन्य बैंड ने स्वागत ध्वनि बजाई। व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में दिए गए रात्रिभोज में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा, टेक अरबपति एलन मस्क, फॉक्स न्यूज के होस्ट ब्रेट बैयर, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, युद्ध सचिव पीट हेगसेथ, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट, एप्पल के सीईओ टिम कुक और अमेरिकी लघु व्यवसाय प्रशासन की प्रशासक केली लोफ्लर भी नजर आए।

सऊदी अरब और अमेरिका के बीच अब तक की सबसे बड़ी डील

एजेंसी
नई दिल्ली। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) अमेरिकी दौरे पर पहुंचे और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। बता दें, करीब 7 साल बाद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने अमेरिका का दौरा किया। दोनों देशों के बीच कई ऐतिहासिक समझौते हुए। व्हाइट हाउस में क्राउन प्रिंस और अमेरिकी राष्ट्रपति ने मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने ऐतिहासिक परमाणु समझौते पर भी हस्ताक्षर किया। दोनों देशों ने सिविल न्यूक्लियर एनर्जी पर एक संयुक्त घोषणा को मंजूरी दी है। बता दें, एमबीएस से मुलाकात से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को घोषणा की थी कि यूएस सऊदी अरब को एफ-35एस फाइटर जेट बेचेगा। सऊदी अरब की मांग पर अमेरिका उसे 48 एफ-35एस फाइटर जेट देगा। दोनों देशों ने करीब

300 अमेरिकी टैंक की डिलीवरी पर मुहर लगाई है।व्हाइट हाउस के बयान के अनुसार, उन्होंने असैन्य परमाणु ऊर्जा, एक महत्वपूर्ण खनिज ढांचे और एक एआई समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर समझौतों के अलावा अमेरिका-सऊदी रणनीतिक रक्षा समझौते (एसडीए) पर भी हस्ताक्षर किए। बता दें, अब तक केवल इजरायल को ही एफ-35एस मिलने की अनुमति थी। हालांकि, अब सऊदी अरब के साथ इस डील से ये तस्वीर बदलने वाली है। वहीं इसे लेकर जब ट्रंप से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इजरायल को इस डील के बारे में पहले से जानकारी है।

सऊदी अरब और इजरायल दोनों ही अमेरिका के अच्छे दोस्त हैं।

वहीं, सऊदी अरब का अमेरिका में निवेश 600 बिलियन डॉलर से बढ़कर 1 ट्रिलियन डॉलर होने जा रहा है। क्राउन प्रिंस ने खुद इसकी जानकारी दी है। बता दें, अमेरिकी पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद से अमेरिका और सऊदी के बीच सबकुछ ठीक नहीं था। हालांकि, अब अमेरिकी राष्ट्रपति सऊदी के साथ संबंधों को सुधारने पर जोर दे रहे हैं। क्राउन प्रिंस के स्वागत में आयोजित भव्य डिनर पार्टी के दौरान ट्रंप ने सऊदी को मेजर नॉन-नाटो एलाय (महत्वपूर्ण गैर-नाटो सहयोगी) घोषित कर दिया। अमेरिका ने अब तक यह दर्जा सिर्फ 19 देशों को दे रखा है।

क्वेटा में वॉयस फॉर बलोच मिसिंग पर्सन्स के विरोध शिविर के 6003 दिन पूरे

एजेंसी
क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान,। वॉयस फॉर बलोच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के विरोध शिविर के 6003 दिन पूरे हो गए। वीबीएमपी बलोचिस्तान में जबरन गायब किए जा रहे लोगों के परिवारों की आवाज दुनिया के सामने उठा रहा है। यह शिविर संगठन के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलोच के नेतृत्व में क्वेटा में जारी है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, आज विभिन्न विचारधाराओं के नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और छात्र शिविर में पहुंचे। सभी ने अपने संदेश रजिस्टर में दर्ज किए। इन लोगों ने संघीय और राज्य सरकार से जबरन गुमशुदगी की समस्या को समाप्त करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने और लापता व्यक्तियों खोजने को प्राथमिकता देने की मांग की। आरिफ बलोच के रिश्तेदारों ने वीबीएमपी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि 30 अक्टूबर को बेसिमा से सुरक्षा बलों के हिरासत में लेने के बाद आरिफ बलोच को जबरन गायब कर दिया गया। परिवार का कहना है कि प्रशासन उन्हें आरिफ के कुशलक्षेम के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रहा है। आरिफ बलोच के पिता जाकिर इस्माइल भी 11 फरवरी 2013 से लापता हैं। आरिफ बलोच अपने पिता की बरामदगी के लिए कई वर्षों से सक्रिय थे। अब उनके लापता होने से परिवार को एक और झटका लगा है। वीबीएमपी ने पिता-पुत्र गायब करने की निंदा की है और इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है।

एपस्टीन फाइल्स विधेयक को सीनेट की मंजूरी, अब इसे भेजा जाएगा राष्ट्रपति ट्रंप के पास

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स विधेयक को मंजूरी दे दी। यह विधेयक कांग्रेस से पहले ही पारित हो चुका है। अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेजा जाएगा। उनके इस पर हस्ताक्षर होते ही न्याय विभाग को यौन अपराधों में दोषी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करने की बाध्यता होगी। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट ने इस विधेयक को मंजूरी दे दी है। अब न्याय विभाग को दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करनी होंगी। बुधवार को औपचारिक रूप से यह फाइलें राष्ट्रपति ट्रंप के पास पहुंच जाएंगी। ट्रंप ने पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वह इस विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के नाम से जाना जाने वाला यह विधेयक न्याय विभाग को एपस्टीन और उसकी सह-साजिशकर्ता गिस्लेन मैक्सवेल से संबंधित फाइलों को कानून बनने के 30 दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से जारी करने के लिए बाध्य करेगा। यह सदन में 427-1 से पारित हुआ और सीनेट में सर्वसम्मति से पारित हुआ।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन दिन में टीटीपी के 38 लड़ाके मारे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पिछले तीन दिन में आतंकवादियों की तलाश के दौरान अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 38 विद्राही लड़ाकों का सफाया कर दिया। सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इस बड़ी उपलब्धि बताया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने मंगलवार शाम कहा कि खैबर पख्तूनख्वा में तीन दिन की अवधि में चार अलग-अलग खुफिया-आधारित अभियानों (आईबीओ) में टीटीपी के 38 सदस्य मारे गए। 15 और 16 नवंबर के अभियानों में बड़ी सफलता हाथ लगी। पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची इलाके में आतंकवादियों के ठिकाने पर कब्जा कर लिया। यहां टीटीपी खजांची आलम महसूद सहित दस सदस्य मारे गए।

यूक्रेन ने पहली बार रूस के भीतर सैन्य ठिकानों पर दागे अमेरिकी एटीएसीएमएस मिसाइल, कीव ने बताया 'महत्वपूर्ण विकास'

कीव। यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की कि उसने अमेरिका से प्राप्त लंबी दूरी की एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल रूस के भीतर सैन्य ठिकानों पर किया है। यह पहली बार है जब कीव ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि वह इन उन्नत अमेरिकी मिसाइल प्रणालियों का उपयोग रूसी क्षेत्र में कर रहा है। सेना ने इसे युद्ध के मोर्चे पर 'एक महत्वपूर्ण विकास' करार दिया।

यूक्रेन ने कहा कि यह हमला अमेरिकी सहायता से मिली उन्नत क्षमताओं का हिस्सा है और भविष्य में भी लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता का इस्तेमाल जारी रहेगा। सैन्य जनरल स्टाफ द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'एटीएसीएमएस सहित लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमताओं का उपयोग जारी रहेगा। ' कीव को एटीएसीएमएस मिसाइल सिस्टम 2023 में मिला था, लेकिन उस समय अमेरिका ने इसके उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगा रखे थे। यूक्रेन को इन्हें केवल अपने कब्जे वाले क्षेत्रों तक सीमित रूप से उपयोग करने की अनुमति थी। यूक्रेन की लगभग 20फीसदीभूमि वर्तमान में रूस के कब्जे में है।

भारत-रूस शिखर सम्मेलन से पहले जयशंकर ने मॉस्को में राष्ट्रपति पुतिन से की मुलाकात

कीव।
मास्को । भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस पहुंचे हुए हैं। उन्होंने मास्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने पुतिन को आगामी वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारियों से अवगत कराया। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि आज मास्को में रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करके सम्मानित महसूस किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन पहुंचाया। उन्हें आगामी वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारियों से अवगत कराया। क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। हमारे संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए उनके दृष्टिकोण और मार्गदर्शन की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं। इससे पहले उन्होंने सोमवार को मास्को में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। जयशंकर ने इस मुलाकात के बाद कहा कि लावरोव से मिलकर खुशी हुई। व्यापार और निवेश, ऊर्जा, गतिशीलता, कृषि, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों के

बीच आदान-प्रदान सहित हमारी द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा हुई। इस दौरान क्षेत्रीय, वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। बता दें कि दिसंबर में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत का दौरा करने वाले हैं। रूसी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस बैठक की घोषणा की और कहा कि दोनों देशों के मंत्री आगे होने वाले राजनीतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रमुख द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। बता दें, दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्ष परिषद की बैठक संपन्न हुई। एस जयशंकर बैठक के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए मास्को पहुंचे। इससे पहले, भारत के विदेश मंत्री ने 19-21 अगस्त 2025 तक रूस का दौरा किया था।

इस दौरे पर उन्होंने व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी।

म्यांमार में ठगी के केंद्र बने साइबर कैफे, 346 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी
नेपीडॉ (म्यांमार)। म्यांमार की सेना ने थाई सीमा पर एक साइबर कैफे पर छापा मारकर 346 लोगों को गिरफ्तार किया है। सेना ने कहा कि युद्धग्रस्त म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में धोखाधड़ी के ऐसे केंद्र बड़े पैमाने पर फैले हुए हैं। इन केंद्रों में बैठे साइबर अपराधी दुनिया भर के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाते हैं। किसी को रोमांस के जाल में फंसाते हैं। किसी को रकम दोगुना करने प्रलोभन देकर ठग रहे हैं। यह लोग प्रतिवर्ष अरबों डॉलर की ठगी कर रहे हैं। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार ने म्यांमार के सरकारी समाचार माध्यम 'द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' की खबर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार की सैन्य सरकार पर लंबे समय से इस मामले में आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया जाता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के दबाव के बाद म्यांमार सरकार फरवरी से ऐसी कार्रवाई का ढिंढोरा पीट रही है। पिछले महीने से कार्रवाई में तेजी लाई गई है। द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ

म्यांमार के अनुसार, म्यांमार की सेना ने कल सुबह जुआ और धोखाधड़ी के गढ़ श्वे कोक्को पर यह कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान 346 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इन सबके पास से लगभग 10 हजार मोबाइल फोन भी मिले हैं। अपराध विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद से म्यांमार के सीमावर्ती इलाके साइबर अपराधियों के लिए उपजाऊ जमीन साबित हुए हैं। इनमें बहुत से लोग भोले-भाले होते हैं। उन्हें म्यांमार में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दूसरे देशों से लाया जाता है। इस नेटवर्क के बड़े हिस्से की कमान चीनी-कंबोडियाई रैकेटियर शी झिजियांग की याताई फर्म के पास है। यह फर्म श्वे कोक्को क्षेत्र में सक्रिया है। 2022 में थाईलैंड में गिरफ्तार किए गए शी झिजियांग को पिछले हफ्ते चीन प्रत्यर्पित किया गया है।

भारत ने ह्रस्ष्ट में सुधार की वार्ता को बताया 'बेतुका', रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने को कहा

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र । भारत समेत कई अन्य देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की लंबे समय से मांग कर रहे हैं। वैश्विक मंचों पर कई बार इस मुद्दे को उठाया गया है। हालिया अपडेट में भारत ने यूएनएससी में सुधार के लिए लगभग दो दशक से चल रही निरर्थक वार्ता को 'हास्यास्पद नाटक' बताया और एक रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा। दरअसल, भारत की उप-स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने यूएन में सुधार पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) का हवाला देते हुए कहा, 'आईजीएन की शुरुआत के बाद से 17 वर्षों में एक बेतुके रंगमंच में तब्दील हो गया है। ' उन्होंने परिषद सुधार पर महासभा की बैठक में कहा, 'सदस्य देश बयानों और चर्चाओं के कभी ना खत्म होने वाले ऐसे चक्र में फंसे हैं, जिनका कोई नतीजा नहीं निकलता। योजना पटेल ने कहा कि सुधार प्रक्रिया में विश्वसनीयता लाने के लिए, भारत पारदर्शी लक्ष्यों और समय-सीमाओं

के साथ सीखने पर आधारित वार्ताओं को शीघ्र शुरू करने का अपना आह्वान दोहराता है। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर डाला कि आखिर यूएन में सुधार की प्रक्रिया आगे क्यों नहीं बढ़ पा रही है, इसपर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने पूछा, 'क्या हम ठोस प्रगति हासिल करने के लिए ईमानदारी से काम करने को तैयार हैं, या हम इस अंतहीन चक्र में फंसे रहने के लिए अभिशप्त हैं? ' पटेल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि आईजीएन के नवनियुक्त सह-अध्यक्ष मौजूदा सत्र के दौरान चर्चाओं को ठोस परिणामों तक ले जा पाएंगे। असेंबली अध्यक्ष अन्नालेना बेरबॉक ने कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि तारिक एम.ए.एम. अलबनाई और नीदरलैंड के लीसे ग्रेगोइरे-वान हारेन को आईजीएन का सह-अध्यक्ष नियुक्त किया है। दरअसल, आईजीएन में प्रगति को उन देशों के एक छोटे समूह द्वारा अवरुद्ध किया जा रहा है जो खुद को यूनाइटेड फॉर कंसेंसस (यूएफसी) कहते हैं। यह समूह प्रतिक्रिया के नाम पर अलग-अलग हथकंडे अपनाता है ताकि वार्ता के मानदंडों को रेखांकित करने और प्रगति पर चर्चा को रोका जा सके। इटली के नेतृत्व वाले और पाकिस्तान से युक्त इस समूह का प्राथमिक उद्देश्य परिषद में नए स्थायी सदस्यों को शामिल होने से रोकना है। इसे लेकर पटेल ने कहा, 'धैर्य और आम सहमति बनाने का आह्वान किया गया है।

भूटान के पारो से नेपाल के पोखरा के लिए नियमित उड़ान शुरू

एजेंसी
काठमांडू। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आज से भूटान के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो गई । यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स ने इससे पहले 28 सितंबर से चार चार्टर उड़ानें संचालित करने की घोषणा की थी, लेकिन विभिन्न कारणों से उनका संचालन नहीं हो सका।। अब आज से आधिकारिक रूप से उड़ान का संचालन आरंभ किया गया है। पोखरा महानगरपालिका के मेयर धनराज आचार्य के अनुसार भूटान एयर द्वारा पोखरा-पारो (भूटान) सीधी उड़ान का औपचारिक शुभारंभ आज बुधवार सुबह पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से किया गया। भूटान एयर और उसके नेपाल स्थित प्रतिनिधि यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स के निमंत्रण पर पहली उड़ान से थिम्पू पहुंचे। महानगर प्रमुख आचार्य ने बताया कि भूटान के पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खाली लौटे विमान ने पोखरा से कुल नौ अतिथियों और क्रू सदस्यों को लेकर पारो में सुरक्षित लैंडिंग की है।

उन्होंने कहा किआज कुछ तकनीकी कारणों से पूर्व निर्धारित

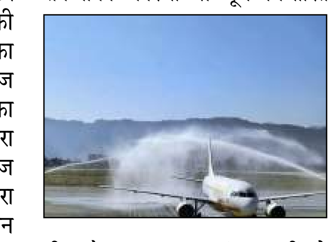

टीम के साथ यात्रा संभव नहीं हो सकी, लेकिन जल्द ही नियमित उड़ान संचालन शुरू होने की उम्मीद है। आचार्य ने भरोसा जताया कि भूटान एयरलाइंस और यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स द्वारा पहले की गई प्रतिबद्धता निकट भविष्य में नियमित उड़ानों के माध्यम से पूरी की जाएगी।

जापान की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता का चीन ने किया विरोध

एजेंसी
बीजिंग । संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने यूएनएससी (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) में जापान की स्थायी सदस्यता का विरोध किया। उन्होंने ताइवान को लेकर जापानी पीएम ताकाइची की टिप्पणी को आधार बनाकरअपनी बात रखी। मंगलवार (18 नवंबर) को (स्थानीय समयानुसार) कहा कि जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची की ताइवान पर टिप्पणी बेहद गलत और खतरनाक है, इसलिए ऐसा देश सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पाने के योग्य नहीं है। फू ने सुरक्षा परिषद सुधार पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बहस में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ताकाइची ने संसदीय बैठक के दौरान ताइवान को लेकर भड़काऊ टिप्पणी की थी। उन्होंने दावा किया था कि चीन का 'ताइवान पर बल प्रयोग' जापान के 'अस्तित्व के लिए खतरा' पैदा कर सकता है।

फू ने ताइवान को चीन का अविभाज्य हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'यह सर्वविदित है कि दुनिया में केवल एक ही चीन है, और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र वैध सरकार है। ताइवान चीनी क्षेत्र का एक अविभाज्य हिस्सा है। ' उन्होंने कहा, 'ऐसी टिप्पणियां अंतर्राष्ट्रीय न्याय, युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों का अपमान हैं और शांतिपूर्ण विकास के प्रति जापान की प्रतिबद्धता से बिलकुल उलट हैं। '

सिन्हुआ के अनुसार जापान ने जब अपना पक्ष रखा तो फू ने जापानी पक्ष की टिप्पणियों के जवाब में कहा, 'द्वितीय विश्व युद्ध को 80 वर्ष हो चुके हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के तथ्य निर्विवाद और अकाट्य हैं, और जापान के युद्ध और औपनिवेशिक अपराध असंख्य और अक्षम्य हैं, जिनमें संशोधन की कोई गुंजाइश नहीं है। जापानी पक्ष द्वारा किया गया कोई भी बचाव इस बात को और पुष्ट करता है कि जापान अभी भी अपने आक्रमण के इतिहास पर चिंतन करने में विफल रहा है। ' फू ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से, जापानी सैन्यवाद ने तथाकथित 'अस्तित्वगत संकट' को बार-बार विदेशी आक्रमणों को शुरू करने के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया है, जिसमें 1931 में 18 सितंबर की घटना भी शामिल है, जब जापान ने चीन पर आक्रमण करने और आक्रामक युद्ध शुरू करने के लिए 'आत्मरक्षा' के अधिकार का दावा किया था, जिससे चीन और दुनिया के लोगों को भारी पीड़ा हुई थी। चीनी स्थायी प्रतिनिधि ने जापान को कड़ी चेतावनी दी। बोले, 'वह चीन के आंतरिक मामलों में दखल देना तुरंत बंद करे और भड़काऊ टिप्पणियों और कार्रवाइयों को वापस ले जो सीमा पार कर गई हैं, और ताइवान के मुद्दे पर आग से खेलना बंद करे। '

नेपाल-चीन सीमा पर उत्तरी कोरला नाका से ऊपरी मुस्तांग की यात्रा के लिए विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर शुल्क निर्धारित

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा पर उत्तरी कोरला नाका से सटे ऊपरी मुस्तांग क्षेत्र की यात्रा करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर शुल्क निर्धारित किया गया है। सरकार के प्रवक्ता एवं संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जगदीश खरेल ने मंत्रिपरिषद के निर्णयों का ब्योरा सार्वजनिक करते हुए यह जानकारी दी। उनके अनुसार अध्यागमन नियमावली के अनुसूची-12 में संशोधन करते हुए यह निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के बाद ऊपरी मुस्तांग की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए अब 10 दिन की अनिवार्य पदयात्रा अनुमति शुल्क के रूप में 500 अमेरिकी डॉलर एकमुश्त जमा करने की बाध्यता समाप्त हो गई है। अब यह शुल्क पर्यटक के ऊपरी मुस्तांग में ठहरने के दिनों के आधार पर प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर के हिसाब से लिया जाएगा।

पहले ऊपरी मुस्तांग जाने वाले

विदेशी पर्यटकों को कम से कम 10 दिन के लिए 500 अमेरिकी डॉलर शुल्क अनिवार्य रूप से जमा करना पड़ता था। 10 दिन से अधिक रुकने पर उन्हें प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 50 डॉलर अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना होता था।

लोघेकार दामोदरकुंड ग्रामीणपालिका के अध्यक्ष लोप्सांग छोम्फेल बिष्ट ने कहा कि उनकी मुख्य मांग ऊपरी मुस्तांग को निषिद्ध एवं नियंत्रित क्षेत्र की सूची से हटाने की रही है, फिर भी सरकार के इस निर्णय से आंशिक रूप से उनकी मांग पूरी हुई है। लोमान्थांग ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष त्सेरिंग नुर्बु गुरुङ ने भी इस निर्णय को सकारात्मक बताया। ऊपरी मुस्तांग क्षेत्र अन्नपूर्णा संरक्षण क्षेत्र परियोजना के अंतर्गत आता है। सरकार ने इसे निषिद्ध व नियंत्रित क्षेत्र की सूची में रखा है। यहां शुल्क अधिक होने के कारण अधिकांश विदेशी पर्यटक कागबेनी और मुक्तिनाथ से ही वापस लौट जाते थे। हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख विदेशी पर्यटक मुस्तांग घूमने जाते हैं, लेकिन उनमें से केवल 3 से 4 प्रतिशत ही ऊपरी मुस्तांग तक पहुंच पाते थे।

ट्रंप आज करेंगे सऊदी क्राउन प्रिंस का भव्य स्वागत, सुरक्षा समझौतों और अरबों डॉलर के निवेश पर होगी बड़ी बातचीत

एजेंसी
वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) का व्हाइट हाउस में अत्यंत भव्य स्वागत करेंगे। 2018 में पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर बनी नकारात्मक छवि से उबरने और वॉशिंगटन से संबंधों को और गहरा करने की दिशा में यह एमबीएस का सबसे महत्वपूर्ण दौरा माना जा रहा है। लगभग सात वर्षों बाद व्हाइट हाउस पहुंच रहे क्राउन प्रिंस को ट्रंप द्वारा विशेष सम्मान और औपचारिक समारोह के साथ स्वागत दिया जाएगा। दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने, सिविल न्यूक्लियर सहयोग को आगे बढ़ाने और बहु-अरब डॉलर के व्यापारिक समझौतों को अंतिम रूप देने पर जोर रहेगा। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस दौरान सऊदी अरब और इजराइल के बीच संबंध सामान्य करने के मुद्दे पर किसी बड़े ब्रेकथ्रू की उम्मीद कम है। यह बैठक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और शीर्ष तेल निर्यातक देश के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का संकेत देती है। खशोगी की हत्या को लेकर उठे अंतरराष्ट्रीय विरोध के बाद संबंधों में आई दरार अब लगभग भर चुकी है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने माना था कि इस ऑपरेशन की मंजूरी एमबीएस ने दी थी।

ताइवान विवाद के बीच चीन ने जापानी सीफूड पर लगाया बैन

एजेंसी
टोक्यो/बीजिंग । ताइवान को लेकर चीन और जापान के बीच रिश्तों में इस कदर कड़वाहट आ गई है कि बात सीफूड बैन तक पहुंच गई है। बुधवार को जापानी और चीनी मीडिया रिपोर्ट्स ने इसका दावा किया। चीन ने जापानी सीफूड आयात पर अगस्त 2023 में भी पाबंदी लगाई थी। तब फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट के वेस्टवॉटर को लेकर दूरी बढ़ी थी। तब चीन ने जापानी सीफूड पर बैन लगा दिया था। इससे जापान को बहुत नुकसान हुआ था, क्योंकि चीन जापान का सबसे बड़ा खरीदार था। जून 2025 में चीन ने आंशिक रूप से बैन हटाया था, जिसके बाद लगभग 700 जापानी निर्यातक फिर से रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन कर चुके थे। लेकिन केवल 3 को मंजूरी मिली थी। 19 नवंबर को चीन ने इसे फिर से पूर्ण रूप से बहाल कर दिया। जापानी कृषि मंत्री नोरिकाजु सुजुकी ने कहा कि यह निर्यातकों के लिए बड़ा झटका है। 2023 में जापान के कुल सीफूड निर्यात का 15.6 फीसदी हिस्सा चीन जाता था। हाल में पीएम साने ताकाइची के ताइवान को लेकर दिए बयान से विवाद आगे बढ़ा। ताकाइची ने संसद में कहा था कि 'ताइवान में संकट का मतलब जापान में संकट है' और जापान 'सामूहिक आत्मरक्षा के नाम पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। ' तनाव उस समय और गहरा गया जब चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के महानिदेशक लियू जिनसॉन्ग की जापान के विदेश मंत्रालय के एशियाई और ओशिनिया ब्यूरो के महानिदेशक मसाकी कनाई से बैठक हुई। लियू ने बैठक के बाद कहा कि परिणाम 'असंतोषजनक' रहे और जापान ने चीन की चिंताओं को दूर करने के लिए 'कोई ठोस कदम' नहीं

उठाया।वहीं, जापानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक ज्यादातर पूर्व में दिए गए आधिकारिक बयानों की पुनरावृत्ति साबित हुई। चीन ने दोहराया कि जब तक सांसद ताकाईची अपना बयान वापस नहीं लेतीं, तब तक बीजिंग पहले से लागू कदमों को हटाने का इरादा नहीं रखता। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने चीन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के शोधकर्ता जियांग हाओयू के हवाले से लिखाः 'टोक्यो चाहे तो तनाव कम करने के लिए दूत भेजे या समझाने की कोशिश करे, लेकिन चीन का रुख साफ है–जब तक ताकाईची अपना बयान वापस नहीं लेंगी, कोई भी राजनयिक स्पष्टीकरण स्थिति को हल नहीं कर सकता। ' ताइवान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच चीन और जापान के रिश्तों में पिछले कुछ दिनों में नई कड़वाहट जुड़ गई है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब जापान की एक वरिष्ठ सांसद ने संसद में कहा कि 'सबसे खराब स्थिति '–जैसे कि चीन द्वारा ताइवान के आसपास समुद्री मार्गों की नाकाबंदी–में जापान को सैन्य हस्तक्षेप पर विचार करना पड़ सकता है। बीजिंग ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए तुरंत मांग की कि टिप्पणी वापस ली जाए।

ताकाइची की 7 नवंबर को की गई टिप्पणी के बाद चीन ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। चीन ने अपने नागरिकों को जापान की यात्रा से सावधान रहने की सलाह दी, साथ ही छात्रों को जापान में पढ़ाई के लिए सतर्क रहने की हिदायत दी गई। तनाव अब सांस्कृतिक और मनोरंजन क्षेत्र तक भी पहुंच चुका है। जापान की प्रसिद्ध मनोरंजन कंपनी योशिमोटो कोग्यो ने घोषणा की कि 'अनिवार्य परिस्थितियों' के कारण उसने शंघाई इंटरनेशनल कॉमेडी फेस्टिवल में अपने शो रद्द कर दिए हैं।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/20/2025 12:12 AM Page 2

लगभग हर क्षेत्र में की जाती है गेंदा की खेती

गेंदा की खेती हमारे देश में लगभग हर क्षेत्र में की जाती है । यह बहुत महत्तवपूर्ण फूल की फसल है। क्योंकि इसका उपयोग व्यापक रूप से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में किया जाता है। गेंदे की खेती व्यवसायिक रूप से केरोटीन पिगमेंट प्राप्त करने के लिए भी की जाती है। इसका उपयोग विभिन्न खाद्य पदार्थों में पीले रंग के लिए किया जाता है। गेंदा के फूल से प्राप्त तेल का उपयोग इत्र तथा अन्य सौन्दर्य प्रसाधन बनाने में किया जाता है। साथ ही यह औषधीय गुण के रूप में पहचान रखता है। कुछ फसलों में कीटों के प्रकोप को कम करने के लिए फसलों के बीच में इसके कुछ पौधों को लगाया जाता है।

कम समय के साथ कम लागत की फसल होने के कारण यह काफी लोकप्रिय फसल बन गई है। गेंदा के फूल आकार और रंग में आकर्षक होते हैं। इसकी खेती आसान होने के कारण इसे व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। आकार और रंग के आधार पर इसकी दो किस्में होती हैं– अफ्रीकी गेंदा और फ्रेंच गेंदा। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य महांराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रा प्रदेश, तामिलनाडू और मध्य प्रदेश है। यदि उत्पादक बंधु गेंदा की खेती वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर करें, तो इसकी फसल से उत्तम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में गेंदा की उन्नत खेती कैसे करें की विस्तृत जानकारी का उल्लेख किया गया है।

▶▶ उपयुक्त जलवायु

अफ्रीकन एवं फ्रेंच गेंदा की खेती वर्ष भर की जाती है। इनका विभिन्न समय पर पौध रोपण करने पर लगभग वर्ष भर पुष्पोत्पादन मिलता रहता है। खुला स्थान जहाँ पर सूर्य की रोशनी सुबह से शाम तक रहती हो, ऐसे स्थानों पर गेंदा की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। छायादार स्थानों पर इसके पुष्प उत्पादन की उपज बहुत कम हो जाती हैं तथा गुणवत्ता भी घट जाती है। शीतोष्ण जलवायु को छोड़कर अन्य जलवायु में इसकी खेती लगभग वर्ष भर की जा सकती है। शीतोष्ण जलवायु में इसका पुष्पोत्पादन केवल गर्मी के मौसम में किया जा सकता है।

गेंदा की खेती वैसे तो हर प्रकार की भूमि में की जा सकती है। परन्तु भरपूर उपज के लिए जीवांशयुक्त उपजाऊ दोमट मिट्टी जिसका पी एच मान 6.0 से 6.8 के मध्य हो, अधिक उपयुक्त रहती है। खेत में जलन निकास का उचित प्रबंध होना भी नितांत आवश्यक है।

▶▶ खेत की तैयारी

गेंदा की खेती के लिए पौध की रोपाई के लगभग 15 दिन पहले भूमि की मिट्टी पलटने वाले हल से दो से तीन बार अच्छी तरह जुताई कर ले तथा मिट्टी में 30 टन प्रति हैक्टेयर की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद मिला देनी चाहिए। क्यारीयों की चौड़ाई एवं लम्बाई सिंचाई के साधन एवं खेत के आकार पर निर्भर करती है। खेत समतल होने पर क्यारीयां लम्बी एवं चौड़ी बनानी चाहिए, लेकिन खेत नीच ऊंच होने पर क्यारी का आकार छोटा रखना चाहिए। लेकिन दो क्यारियों के बीच में 1 से 1.5 फीट चौड़ा मेड़ रखनी चाहिए।

मध्यम आकार के फूलों वाली– जुवलो सीरिज, हैप्पी फेस, गोल्ड जैलोट और लोडी आदि प्रमुख है।

छोटे आकार के फूलों वाली– स्पेस राज सीरिज, अपोलो मून शोट, मैरीनेट, जिरेंक, गोल्डन रे, स्पन पीला, क्यूपिड, हैप्पीनेस और डोली आदि प्रमुख है।

फ्रेंच गेंदा– फ्रेंच गेंदे के पौधे अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा छोटे होते हैं। इस प्रजाती के पौधे की वृद्धि तीव्र गति से होती है। इस कारण यह फसल अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा शीघ्र तैयार हो जाती है। फ्रेंच गेंदे के फूल विभिन्न आकर्षक रंगो जैसे पीला, संतरी, भूरा, महारानी, दोरंगा तथा कई रंगो के मिश्रण आदि में पाए जाते है। फ्रेंच गेंदे की किस्मों को पौधों की ऊँचाई के आधार पर विभक्त किया जाता है, जैसे–

छोटे पौधे वाली– पूसा अर्पिता, फ्लैम, फ्लेमिंग फायर डबल और रस्टी रैड आदि प्रमुख है।

सबसे छोटे पौधे वाली– इस वर्ग में पिटाइट सीरिज की किस्में जो आमतौर पर 15 सेंटीमीटर तक बढ़ती है, जैसे– गोल्ड, जिप्सी, ओरेंज फ्लैम, डैन्टी मरीटा, स्टार ऑफ इण्डिया व टीना में इकहेर फूल आते है।

एफ 1 हाइब्रिड– अपोलो, क्लाइमैक्स, फस्ट लेडी, गोल्ड लेडी, ओरेंज लेड़ी, इन्का येलो, इन्का गोल्ड और इन्का ओरेंज आदि प्रमुख है।

गेंदा का प्रवर्धन बीज तथा वानस्पतिक भाग शाखा से कलम विधि द्वारा किया जाता है। वानस्पतिक विधि द्वारा प्रवर्धन करने से पौधे पैतृक जैसे ही उत्पादित होते हैं। व्यवसायिक स्तर पर गेंदा का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। इसका 800 ग्राम से 1 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से लगता है। गेंदा का प्रवर्धन कलम विधि द्वारा करने के लिए 6 से 8 सेंटीमीटर लम्बी कलम पौधे के उपरी भाग से लेते हैं।

पौधे से कलम को अलग करने के उपरान्त कलम के निचले हिस्से से 3 से 4 सेंटीमीटर तक की सभी पत्तियों को ब्लेड से काट देते हैं तथा कलम के निचले भाग को तिरछा काटते हैं। इसके बाद कलम को बालू में 2 से 3 सेंटीमीटर गहराई पर लगा देते हैं। कलम को बालू में लगा देने के 20 से 25 दिन बाद कलम में जड़ें बन जाती हैं। इस प्रकार वानस्पतिक प्रवर्धन विधि से पौधा बन कर रोपण हेतु तैयार हो जाता है।

▶▶ बुवाई का समय

गर्मी के मौसम का गेंदा पुष्पोत्पादन करने हेतु फरवरी माह के दूसरे सप्ताह तथा वर्षा ऋतु के समय पुष्पोत्पादन हेतु जून के पहले सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। सर्दी के मौसम का पुष्पोत्पादन हेतु सितम्बर माह के दूसरे सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। नर्सरी में बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है।

नर्सरी में गेंदा बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है। अफ्रीकन गेंदा 40 × 40 सेंटीमीटर तथा फ्रेंच 30 × 30 सेंटीमीटर पौध से पौध एवं पंक्ति से पंक्ति के फांसले पर तथा 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर रोपना चाहिए। पौध रोपण गर्मी के मौसम में सांयकाल तथा सर्दी एवं बरसात में पूरे दिन किया जा सकता है। पौध रोपण के समय यदि पौध लम्बा हो गया हो तो लगाने से पहले उसका शीर्षनोचन कर देना चाहिए।

गोबर की सड़ी खाद 250 से 300 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की दर से डालना चाहिए। इसके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों द्वारा 200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर नत्रजन और 80 किलोग्राम फास्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश देने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है। फास्फोरस एवं पोटाश को पूरी मात्रा हेतु सिंगल सुपरफास्फेट तथा म्यूरेट आफ पोटाश को क्यारियों की तैयारी के समय मिट्टी में मिला देना चाहिए। नत्रजन की मात्रा को तीन बराबर भाग में बांट कर एक भाग क्यारीयों की तैयारी के समय एवं दो भाग पौध रोपण से 30 एवं 50 दिन पर यूरिया या कॅल्शियम अमोनियम नाइट्रेट उर्वरक द्वारा देना चाहिए।

गेंदा की खेती में पौधों की बढ़वार एवं पुष्पोत्पादन में सिंचाई का विशेष महत्व है। सिंचाई के पानी का पी एच मान 6.5 से 7.5 तक लाभकारी पाया गया है। पौध रोपण के तुरन्त बाद सिंचाई खुली नाली विधि से की जाती है। मृदा में अच्छी नमी होने से जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है और पौधों को मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्व उचित मात्रा में मिलता रहता है। शुष्क मौसम में सिंचाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गर्मी में 5 से 6 दिन तथा सर्दी में 8 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए। क्यारियों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। बरसात में अत्याधिक पानी की निकासी के लिए जल निकास नाली पहले से तैयार रखनी चाहिए।

▶▶ खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार जब छोटा रहे उसी समय खेत से बाहर निकाल देना चाहिए। गेंदा फसल की छोटी अवस्था में समय पर गुड़ाई करनी चाहिए। ऐसा करने से मिट्टी भुरभुरी बनी रहती हैं और जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है। मिट्टी की गुड़ाई बहुत गहरी नहीं करनी चाहिए।

▶▶ शीर्षनोचन

प्रथम– शीर्षनोचन पौधा की फैलाव को बढ़ाने के लिए किया जाता है। शीर्षनोचन दो बार करने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता हैं। यदि पौध रोपण बिलम्ब से किया गया हो तो केवल प्रथम शीर्षनोचन करना चाहिए। प्रथम पौध रोपण के समय यदि पौधों का शीर्षनोचन न किया गया हो तो पौध लगाने के 12 से 15 दिन बाद उन प्रत्येक पौधा का शीर्षनोचन हाथ से करना चाहिए।

जिनकी लम्बाई जमीन की सतह से 15 सेंटीमीटर से अधिक हो गयी हो। शीर्षनोचन के समय यह ध्यान रखा जाता है, कि शीर्षनोचन के उपरान्त पौध पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियाँ बनी रहें। ऐसा करने से एक पौध पर 3 से 5 तक मुख्य शाखाएं आ जाती हैं। शाखाओं की संख्या बढ़ने पर पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है।

द्वितीय– प्रथम शीर्षनोचन जैसा ही द्वितीय शीर्षनोचन करते हैं। इसमें मुख्य शाखाएं जब 15 से 20 सेंटीमीटर लम्बी हो जाती हैं, उस समय हर शाखा पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियों छोड़कर शीर्षनोचन कर देते हैं।

▶▶ कीट एवं रोकथाम

रेड स्पाइडर माइट– माइट गेंदा की पत्तियों का रस चूस लेते हैं। जिससे पत्तियाँ हरे रंग से भूरे रंग में बदलने लगती हैं और पौधों की बढ़वार बिल्कुल रुक जाती है। इसका अत्याधिक प्रकोप होने पर पुष्पोत्पादन भी नहीं हो पाता, जो कलियां बनती भी हैं, वह खिल भी नहीं पाती हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए हिल्फोल 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

एफिड्स– एफिड्स रस चूसने वाला कीट है। इनका प्रकोप गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं पुष्प कलियों पर होता है। यह पौधे की वृद्धि को कम कर देता है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान या इण्डोसल्फान का छिड़काव 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर करना चाहिए।

लीफमाइनर– लीफमाइनर नर एवं मादा दोनों गेंदा फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। गेंदा में इसका प्रकोप होने पर पत्तियों में सफेद धारियां बन जाती हैं और पौधों की बढ़वार कम हो जाती है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए 1.5 से 2 मिलीलीटर इण्डोसल्फान प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

कैटरपिलर– कैटरपिलर हरा एवं भूरा काले रंग का कीट है। यह गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं कलियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए 1.5 मिलीलीटर इण्डोसल्फान या मैलाथियान एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

▶▶ रोग एवं रोकथाम

डैमपिंग आफ– यह बीमारी राइजोकटोनिया सोलेनाई कवक का प्रकोप होने पर नर्सरी में होती हैं। इस बीमारी का प्रकोप होने पर नर्सरी में ही पौधों की मृत्यु हो जाती हैं। अधिकतर यह बीमारी नर्सरी में पौधों को बहुत अधिक पानी देने के कारण होती है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए क्यारीयों में बीज की बुवाई करने से पहले क्यारी में किसी भी कापर कवकनाशी (कैप्टान) का घोल (2.2 प्रतिशत सान्द्रता) का ड्रेच करना चाहिए या मिट्टी को फार्मल्डीहाइड नामक रसायन के घोल (2 प्रतिशत सान्दता) से संक्रमित कर देना चाहिए। इस बीमारी का प्रकोप होने के बाद निदान करना बहुत ही कठिन है।

फ्लावर बड़–रॉट– यह बीमारी अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों में देखी गई है। इस बीमारी से गेंदा फसल की कलियों पर ब्राउन धब्बे पड़ जाते हैं। इस प्रकार की कलियाँ पूर्ण रूप से खिल नहीं पाती हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम– 45 का.2.2 प्रतिशत सान्द्रता के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

कालर रॉट, फूट रॉट एवं रूट रॉट– यह बीमारियों राइजोकटोनिया सोलेनाई , फाइटोप्थोरा स्पेशीज, पीथियम स्पेशीज़, इत्यादि कवकों के कारण होती है। कालर राट गेंदा फसल में किसी अवस्था में देखा जा सकता है। फूट रॉट एवं रूट रॉट अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्र में तथा क्यारी में अधिक पानी होने के कारण भी होता है।रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए नर्सरी की मिट्टी को बीज की बुवाई से पहले फार्मल्डीहाइड की घोल से संक्रमित करें, रोग रहित बीज का प्रयोग करें, रोगग्रसित पौधों को उखाड़ दें, बहुत घना नर्सरी या पौध रोपण न करें तथा बुवाई से पहले कैप्टान से बीज को उपचारित करें।

लीफ स्पाट– यह बीमारी अल्टरनेरिया टॅजेटिका कवक के प्रकोप होने पर गेंदा के पौधों पर देखि गई है। इस बीमारी से प्रभावित पौधों के पत्तियों के ऊपर भूरा गोल धब्बा दिखने लगता है, जो धीरे–धीरे पौधों की पत्तियों को खराब कर देता है।

रोकथाम– इस बीमारी की रोकथाम के लिए बाविस्टीन 1 से 1.5 ग्राम पाउडर प्रति लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

पाउडरी मिल्ड्यू– गेंदा में पाउडरी मिल्ड्यू ओडियम स्पेशीज और लेविल्लुला टैरिका कवकों के प्रकोप होने के कारण होता है। इस बीमारी में पौधों के पत्तियों के उपर सफेद पाउडर दिखाई देने लगता हैं। कुछ समय बाद पूरे पौधे पर सफेद पाउडर दिखने लगता है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए कैराथेन 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए

विषाणु रोग– विषाणु पौधों की गुणवत्ता को धीरे धीरे कम कर देते हैं। गेंदा में कुकुम्बर मोजैक वाइरस का प्रकोप भी देखा गया है।

रोकथाम– विषाणु रोग के बचाव के लिए रोगग्रसित पौधों को समय–समय पर उखाड़ कर जमीन के अन्दर दबा दें या जला देना चाहिए।

▶▶ पुष्पों की तुड़ाई

गर्मी के मौसम की फसल मई माह के मध्य से शुरु होकर बरसात के समय तक चलती है। लेकिन यह देखा गया है कि जून में सर्वाधिक पुष्प उत्पादन होता है। बरसात के मौसम की फसल में फूलों का उत्पादन सितम्बर मध्य से शुरु होकर लगातार दिसम्बर तक तथा सर्दी के मौसम की फसल जनवरी मध्य से शुरु होकर मार्च तक लगातार पुष्पोत्पादन होता रहता है।

पहाड़ी क्षेत्रों में गर्मी एवं बरसात की फसल सफलतापूर्वक उगाई जा सकती है। पुष्पों को पौध से तब अलग करते हैं, जब पुष्प पूर्ण रूप से खिल जाए। फूलों को तोड़ते समय यह ध्यान रखा जाता हैं, कि पुष्प के नीचे लगभग 0.5 सेंटीमीटर तक लम्बा हरा डण्ठल पुष्प से जुड़ा रहे। पुष्पों की तुड़ाई सुबह के समय करना चाहिए तथा किसी ठण्डे स्थान पर रखना चाहिए। यदि पुष्प के ऊपर अतिरिक्त नमी या पानी की बूंद हो तो उसे छायादार स्थान पर फैला देना चाहिए। नमी कम हो जाने के बाद बांस की टोकरी में बाजार में भेज दिया जाता है। फूलों को अतिरिक्त नमी के साथ पैक करने पर पुष्प की पंखुड़ियाँ काली पड़ने लगती हैं। इसी कारण ऐसे फूलों की कीमत बाजार में बहुत कम मिलती हैं।

यदि उपरोक्त वैज्ञानिक विधि और सही तरीके से गेंदे की फसल पर ध्यान दिया गया हो तो अफ्रीकन गेंदा 200 से 300 क्विंटल तथा फ्रेंच गेंदा से 125 से 200 क्विंटल और हाइब्रिड से 350 क्विंटल से अधिक प्रति हैक्टेयर पुष्प की उपज प्राप्त होती है।

गेंदा भारत में बहुत प्रचलित फूल है। हर मौके पर इस्तेमाल होने के कारण इसने सजावटी फूलों में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया है। भारत में फूल व्यवसाय में गेंदे का स्थान महत्त्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि इसका धार्मिक और सामाजिक अवसरों पर बहुत उपयोग होता है।

गेंदे की सबसे बड़ी विशेषता यह है, कि यह लगभग पूरे वर्ष फूल देता रहता है। जिन महीनों में कोई अन्य फूल नहीं मिलते है। उन दिनों भी गेंदे का फूल सहज उपलब्ध रहता है। अतः गेंदे की लोकप्रियता का कारण इसकी सहज उपलब्धता भी है। गेंदे के फूल कई दिनों तक ताजा भी बने रहते हैं।

गेंदा भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय तथा सभी स्थानों पर पाया जाने वाला फूल है। यह सर्वप्रथम हमारे देश में अग्रजों द्वारा लाया गया, जबकि इसका उत्पति स्थान मेक्सिको और दक्षिणी अमेरिका हैं। गेंदे की विशेषता यह है, कि यह हर प्रकार की जलवायु के प्रति सहनशील, लम्बे समय तक फूलने वाला, अधिक उपज देने वाला तथा अनेक रंगों में पाया जाता है इसका अत्यधिक प्रयोग धार्मिक व सामाजिक उत्सवों खासकर रंगोली, ब्याह–शादियों में मण्डप तैयार करने और माला आदि में होता है।

▶▶ गेंदे का प्रवर्धन या पौध प्रसारण

आमतौर पर गेंदे को बीज द्वारा उगाया जाता है, परन्तु इसे कलमों द्वारा भी प्रवर्धित किया जा सकता है। भारत में इसकी बुआई जलवायु की भिन्नता के अनुसार अलग–अलग होती है। दक्षिण भारत में इसे मई के महीने में बोया जाता है, जिनसे अगस्त से अक्टूबर तक फूल मिलते रहते हैं। यदि इसके बाद फूल लिए जाएं तो वे आकार में छोटे रह जाते हैं।

असम, बिहार, पश्चिमी बंगाल, और उड़ीसा में बीज फरवरी से जून एवं सितम्बर से अक्टूबर में बोये जाते हैं, जिनसे सर्दी, बसंत व वर्षा ऋतु में फूल मिलते हैं। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बीज जनवरी से मार्च तक एवं जुलाई से सितम्बर में भी बोया जाता है।

उत्तरी एवं दक्षिणी पहाड़ियों में मार्च से अप्रैल में बुआई की जाती है। इसके अलावा सितम्बर में भी बीज बोये जाते हैं। बम्बई और मद्रास में सितम्बर के महीने में बीज बोये जाते हैं।

▶▶ पौधशाला की तैयारी

गेंदे के बीज को पहले पौधशाला में बोया जाता है, क्योंकि बीज छोटे आकार के होते हैं। पौधशाला में पर्याप्त मात्रा में गोबर की खाद डालकर भली भांति खुदाई कर ली जाती है। क्यारियों में रेत भी डाली जाती है, फिर 15 संेतुमितर ऊँची उठी क्यारियाँ बनाई जाती हैं। बीज को पौधशाला में समान रूप से बिखेर कर फिर उन्हें रेत एवं पत्ती की खाद के मिश्रण से ढ़क दिया जाता है।

बीज एक सप्ताह के बाद अकुंरित हो जाते हैं, और पौध 3 से 4 सप्ताह बाद रोपाई के लिए तैयार हो जाता है। पौधशाला की नियमित रूप से सिंचाई, नलाई इत्यादि समय पर करनी चाहिए, ताकि पौधों का समुचित विकास हो सके। उपरोक्त विधियों से आप गेंदा का प्रवर्धन या पौध प्रसारण द्वारा उपयोगी एवं आधुनिक व्यावसायिक खेती कर सकते है।

उन्नत प्रजातियाँ

गेंदा पुष्प उत्पादन के दृष्टिकोण से अफ्रिकन गेंदा और फ्रेंच गेंदा दो प्रकार की किस्में प्रचलित है, जैसे–

अफ्रिकन गेंदा– अफ्रिकन गेंदे के पौधे 90 से 95 सेंटीमीटर तक लम्बे तथा बड़ी–बड़ी शाखाओं वाले होते है। फूलों का रंग पीला, सुनहरा पीला, नारंगी आदि होता है। इसकी प्रचलित व्यवसायिक किस्में इस प्रकार है, जैसे–

बड़े फूलों वाली– पूसा नारंगी गेंदा, पूसा वसन्ती गेंदा, पूसा बहार, यलो सुप्रीम, क्लाईमैक्स, जीनिया गोल्ड, गोल्ड कॉंचन, सन जाइंट समाइलस और मैन इन दी मून आदि प्रमुख है।

▶▶ खेत की तैयारी

गेंदा की खेती के लिए पौध की रोपाई के लगभग 15 दिन पहले भूमि की मिट्टी पलटने वाले हल से दो से तीन बार अच्छी तरह जुताई कर ले तथा मिट्टी में 30 टन प्रति हैक्टेयर की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद मिला देनी चाहिए। क्यारीयों की चौड़ाई एवं लम्बाई सिंचाई के साधन एवं खेत के आकार पर निर्भर करती है। खेत समतल होने पर क्यारीयां लम्बी एवं चौड़ी बनानी चाहिए, लेकिन खेत नीच ऊंच होने पर क्यारी का आकार छोटा रखना चाहिए। लेकिन दो क्यारियों के बीच में 1 से 1.5 फीट चौड़ा मेड़ रखनी चाहिए।

मध्यम आकार के फूलों वाली– जुवलो सीरिज, हैप्पी फेस, गोल्ड जैलोट और लोडी आदि प्रमुख है।

छोटे आकार के फूलों वाली– स्पेस राज सीरिज, अपोलो मून शोट, मैरीनेट, जिरेंक, गोल्डन रे, स्पन पीला, क्यूपिड, हैप्पीनेस और डोली आदि प्रमुख है।

▶▶ पौधशाला की तैयारी

गेंदे के बीज को पहले पौधशाला में बोया जाता है, क्योंकि बीज छोटे आकार के होते हैं। पौधशाला में पर्याप्त मात्रा में गोबर की खाद डालकर भली भांति खुदाई कर ली जाती है। क्यारियों में रेत भी डाली जाती है, फिर 15 सेंतुमितर ऊँची उठी क्यारियाँ बनाई जाती हैं। बीज को पौधशाला में समान रूप से बिखेर कर फिर उन्हें रेत एवं पत्ती की खाद के मिश्रण से ढ़क दिया जाता है।